भाद्रपद शुक्ल - 4 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 35 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 27-08-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 प्रधानमंत्री से कभी उम्मीद नहीं थी कि वे हमें चोर कहेंगे : ममता

6 गणेश हैं विघ्नहर्ता-मंगलकर्ता एवं जीवंत राष्ट्रीयता के प्रतीक

7 मन्नारा चोपड़ा ने बताया 'सा रे गा मा' का क्या है उनके लिए मतलब

अवकाश की सूचना

सभी पाठकों और विज्ञापनदाताओं को गणेश चतुर्थी की हार्दिक शुभकामनाएं। गणेश चतुर्थी के अवसर पर 27 अगस्त को **दक्षिण भारत राष्ट्रमत** कार्यालय में अवकाश रहेगा। अगला अंक 29 अगस्त 2025 को प्रकाशित होगा।

- व्यवस्थापक

फर्स्ट टेक

ईडी ने 5,590 करोड़ रुपए के कथित अस्पताल निर्माण घोटाले में आप पर कसा शिकंजा

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में 24 अस्पतालों के निर्माण से जुड़े 5,590 करोड़ रुपये के धनशोधन मामले में आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज के घर समेत 13 स्थानों पर तलाशी अभियान चला रहा है। ईडी सूत्रों ने कहा कि फिलहाल तेरह स्थानों पर तलाशी चल रही है। धन शोधन निवारण (पीएमएलए) मामला 2018-19 में हुए कथित दिल्ली अस्पताल निर्माण से जुड़ा हुआ है। उल्लेखनीय है कि निर्माण में देरी होने के कारण अस्पतालों की लागत बढ़ गई। 2018-19 में आप सरकार ने अस्पतालों के निर्माण को मंज़ूरी प्रदान की थी हालाकि परियोजनाएं समय पर पूरी नहीं हो सकी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी पर आधारित है।

स्पेसएक्स ने किया स्टारशिप का प्रक्षेपण रद्द

लॉस एंजिल्स/भाषा। अमेरिकी निजी अंतरिक्ष कंपनी स्पेसएक्स ने प्रतिकूल मौसम के कारण सोमवार को अपने शक्तिशाली स्टारशिप रॉकेट का 10वां उड़ान परीक्षण रद्द कर दिया। शुरुआत में प्रक्षेपण टेक्सास में कंपनी की स्टारबेस सुविधा से रविवार के लिए निर्धारित थी लेकिन इसमें समस्या आने के कारण स्थगित कर दिया गया और सोमवार के लिए पुनर्निर्धारित किया गया था। कल प्रक्षेपण की कोशिश को टी-माइनस 40 सेकंड पर रोक दिया गया जिसके बाद स्पेसएक्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी दी कि प्रतिकूल मौसम के कारण प्रक्षेपण रद्द कर दी गई है। स्पेसएक्स ने कहा कि टीम प्रक्षेपण के लिए अगले सर्वोत्तम उपलब्ध अवसर का पता लगा रही है।

27-08-2025 सूर्यास्त 6:23 बजे | 28-08-2025 सूर्योदय 5:57 बजे

BSE	NSE
80,786.54	24,712.05
(-849.37)	(-255.70)

सोना	चांदी
10,508 रु.	130,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

आरक्षण पर ...

कुछ हो गए हैं पक्ष में,
कुछ हैं विरोध में।
कुछ हैं बड़े आनंद में,
कुछ हैं यूं क्रोध में।
कुछ बन गए चालाक,
तो कुछ हैं अबोध में।
सबको पता है सत्य,
पर सरकार शोध में।।

'स्वदेशी' हर किसी के जीवन का मंत्र होना चाहिए : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यह महत्वपूर्ण नहीं है कि निवेश कौन करता है, बल्कि महत्वपूर्ण यह है कि उत्पाद बनाने में भारतीयों की कड़ी मेहनत हो।

अहमदाबाद/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि स्वदेशी हर किसी का जीवन मंत्र होना चाहिए। मोदी ने साथ ही कहा कि उनकी सरकार की 'मेक इन इंडिया' पहल ने वैश्विक एवं घरेलू दोनों विनिर्माताओं के लिए अनुकूल माहौल तैयार किया है। उन्होंने कहा कि 'स्वदेशी' की उनकी परिभाषा सरल है।

प्रधानमंत्री ने कहा, मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि पैसा किसका लगा है, डॉलर है या पाउंड.. या वह मुद्रा काली है या सफेद। बस उस पैसे से जो भी उत्पादन हो, उसमें मेरे देशवासियों का पसीना होना चाहिए।

गुजरात के हंसलपुर विनिर्माण संयंत्र से मारुति सुजुकी के पहले इलेक्ट्रिक वाहन ई-विटारा को मंगलवार को हरी झंडी दिखाने के बाद प्रधानमंत्री ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि दुनिया भारत में बने इलेक्ट्रिक वाहनों को चलाएगी।

मोदी ने लोगों से केवल स्वदेशी उत्पाद खरीदने का आग्रह किया और कहा कि यह महत्वपूर्ण नहीं है कि निवेश कौन करता है, बल्कि महत्वपूर्ण यह है कि उत्पाद बनाने में भारतीयों की कड़ी मेहनत हो। उन्होंने कहा कि इस तरह मारुति सुजुकी भी एक स्वदेशी कंपनी है।

प्रधानमंत्री ने कहा, स्वदेशी हमारे जीवन का मंत्र बन जाना चाहिए। आइए, स्वदेशी को गर्व से अपनाएं। जापान में जो चीजे यहां बनेंगी, वे भी स्वदेशी होंगी। उन्होंने कहा, स्वदेशी की मेरी परिभाषा बहुत सरल है। मुझे इस बात की चिंता नहीं है कि किसका पैसा निवेश किया गया है...चाहे वह डॉलर हो या पाउंड, या वह मुद्रा काली है या सफेद। बस उस पैसे से जो भी उत्पादन किया जाए, उसमें मेरे देशवासियों का पसीना होना चाहिए। उन उत्पादों में मेरे देश की मिट्टी की खुशबू होनी चाहिए।

भारत को 2047 तक एक विकसित देश बनाने के अपने संकल्प का उल्लेख करते हुए मोदी ने लोगों से देश की भावी पीढ़ियों के लिए इस स्वदेशी आंदोलन में शामिल होने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, 2047 में हम भारत को ऐसा बनाएंगे कि आने वाली पीढ़ियां आपके त्याग एवं योगदान पर गर्व करेंगी।

एकता के लिए एकरूपता की जरूरत नहीं : मोहन भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भारतीय, चाहे उनका धर्म कुछ भी हो, अपने पूर्वजों की सामान्य परंपराओं से बंधे हैं और अखंड भारत में 40,000 से अधिक वर्षों से उनका ''डीएनए'' एक ही है।

नई दिल्ली/भाषा। देश में एकजुटता का संदेश देते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने एकता के लिए एकरूपता की जरूरत को नकारते हुए मंगलवार को कहा, ''विविधता में भी एकता है'' और अलग विचारधारा रखना कोई अपराध नहीं है।

नामी हस्तियों, विदेशी राजनयिकों और अन्य के समक्ष दिए गए एक महत्वपूर्ण संबोधन में भागवत ने कहा कि भारतीय, चाहे उनका धर्म कुछ भी हो, अपने पूर्वजों की सामान्य परंपराओं से बंधे हैं और अखंड भारत में 40,000 से अधिक वर्षों से उनका ''डीएनए'' एक ही है। उन्होंने कहा कि आरएसएस एकता के लिए एकरूपता को जरूरी नहीं मानता। उन्होंने आरएसएस के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित तीन दिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन के अवसर पर अपने संबोधन में कहा, सद्भावना से रहना हमारी संस्कृति है। ऐसा नहीं है कि एकता एकरूपता से आती है। विविधता में भी एकता है। विविधता, एकता का ही परिणाम है।''

ऐसा प्रतीत होता है कि भागवत का संबोधन हिंदुत्ववादी संगठन के बारे में चिंताओं को दूर करने के उद्देश्य से था, जिस पर आलोचकों द्वारा अपने कथित अल्पसंख्यक-विरोधी पूर्वाग्रहों के ज़रिए विभाजनकारी भावनाएं भड़काने का आरोप लगाया गया है।

दो बहुउद्देशीय स्टील्थ फ्रिगेट का हुआ जलावतरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश)/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को यहां भारतीय नौसेना की पूर्वी नौसेना कमान में दो बहुउद्देशीय स्टील्थ फ्रिगेट, आईएनएस उदयगिरि और आईएनएस हिमगिरि को शामिल किया। इन युद्धपोतों के डिजाइन और हथियारों में उल्लेखनीय सुधार किया गया है और इन्हें समुद्री सुरक्षा तंत्र में एक महत्वपूर्ण वृद्धि के रूप में देखा जा रहा है।

उदयगिरि और हिमगिरि भारतीय नौसेना के नवीनतम अत्याधुनिक 'प्रोजेक्ट 17ए' के तहत बने हैं और इनका जलावतरण ऐसा पहला अवसर है जब दो अलग-अलग शिपयार्ड में निर्मित अग्रिम पंक्ति के दो जंगी पोतों को एक साथ जलावतरण समारोह में शामिल किया गया।

यह घटनाक्रम भारत के पूर्वी तट के बढ़ते समुद्री महत्व को रेखांकित करता है। दोनों फ्रिगेट भारतीय नौसेना के युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो द्वारा आंतरिक रूप से डिजाइन किए गए हैं, और विशेष रूप से, उदयगिरि युद्धपोत डिज़ाइन ब्यूरो द्वारा डिज़ाइन किया गया 100वां जहाज है, जो स्वदेशी युद्धपोत डिज़ाइन के पांच दशकों में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

रक्षा अधिकारियों के मुताबिक उदयगिरि और हिमगिरि, परियोजना 17 (शिवालिक) श्रेणी के मध्यम आकार के अनुवर्ती पोत हैं, और दोनों जहाजों में डिजाइन, स्टील्थ (रडार की पहुंच से बच निकलने की क्षमता), हथियार और सेंसर प्रणालियों में महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं, जो गहन समुद्री परिस्थितियों में मिशनों की पूरी शृंखला को अंजाम देने में सक्षम हैं।

भारतीय नौसेना ने सोमवार देर रात 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, दो अत्याधुनिक लड़ाकू प्लेटफॉर्म भारतीय नौसेना के बेड़े में शामिल हो गए हैं, जिससे समुद्र में भारत की ताकत और मजबूत होगी...।

संवत्सरी महापर्व के अवसर पर
देशनोक में विराजित हुक्म गच्छाधिपति, नानेश पट्टधर, व्यसन मुक्ति के प्रबल प्रेरक आचार्यश्री 1008 श्री रामलालजी म.सा.
आदि ठाणा के श्री चरणों में वंदन-नमन करते हुए देशनोक-राजस्थान में चल रहे आचार्यश्री एवं अन्य शहरों में चातुर्मासार्थ विराजित साधु-साध्वीश्री के चातुर्मास को ऐतिहासिक व यादगार होने की कामना करते हैं।

'' खामेमि सव्व जीवे सव्वे जीवा खमंतु में,
मित्ति में सव्व भुएसु, बैरं मज्झंन केणाई ''

संवत्सरी महापर्व के उपलक्ष्य में हम सभी अपनी भूलों के लिए आप सभी से क्षमा चाहते हैं।
यदि हमने जाने-अनजाने आपके मन को ठेस पहुंचाई हो या ठेस पहुंचाने का भाव भी मन में आया हो तो आज हम मन, वचन और काया से आपसे क्षमा मांगते हैं।

मिच्छामी दुक्कड़म

श्रीमती जेठीदेवी सिपानी
विमला-कमल सिपानी, कविता-यशवंत बोथरा,
काजल-संजय सांखला, पूजा-चन्दन शाह, एकता-संकेत देवड़ा,
स्नेह-हितेश लुंकड़ एवं राशि-अभिषेक सिपानी, उदयरामसर-बैंगलूरु

कमल सिपानी : पूर्व अध्यक्ष : श्री साधुमार्गी जैन संघ, बेंगलूर

Abhinandan Petro Pack P. Ltd.
27/1A, Vadera Manchenhalli, Kallu Balu Post, Jigni Hobli,
Anekal Taluk, B'lore-562106 Ph. : 27825204/5 Fax : 080-2782507

राहुल गांधी ने किया दावा

निजी हमले करना आरएसएस की शैली

अररिया (बिहार)/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने दावा किया है कि लोगों पर निजी हमले करना राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की शैली है और उसने महात्मा गांधी के खिलाफ भी झूठ बोला था और उन्हें बदनाम किया था। राहुल गांधी ने अपनी 'वोटर अधिकार यात्रा' के अररिया पहुंचने पर महागठबंधन के नेताओं के साथ 'चाय-पकौड़े पर चर्चा' के दौरान यह दावा किया। बीते रविवार को यह यात्रा अररिया में थी।

कांग्रेस नेता ने इस बातचीत का वीडियो मंगलवार को अपने 'एक्स' हैंडल पर साझा किया। उन्होंने कहा, यात्रा, वोट चोरी और गांधी जी - गठबंधन के साथियों के साथ गरमा-गरम चाय-पकौड़ों पर उतनी ही दिलचस्प राजनीतिक चर्चा हुई।

इस चर्चा में राहुल गांधी के साथ राजद नेता तेजस्वी यादव, विकासशील इंसान पार्टी के प्रमुख मुकेश सहनी, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश कुमार राम और कांग्रेस विधायक दल के नेता शकील अहमद तथा महात्मा गांधी के पौत्र तुषार गांधी शामिल थे।

तुषार गांधी ने कहा, पहले तीखी बहसें होती थी, लेकिन व्यक्तिगत रूप से अपशब्द नहीं कहे जाते थे, अब लगता है कि इसे जायज ही ठहरा दिया गया है।

इस पर राहुल गांधी ने दावा किया, आरएसएस का तरीका है कि लोगों को निजी तौर पर निशाना बनाया जाए। वो गांधी जी के साथ यही किया करते थे। लोगों को पता नहीं है, याद नहीं है। आरएसएस ने गांधी जी के बारे में कितनी गालियां दीं, कितना बदनाम किया, कितना उनके बारे में झूठ बोला। यह उनकी शैली है।

दुश्मन के खिलाफ 'ढाल और तलवार' की तरह काम करेगा 'सुदर्शन चक्र' : सीडीएस

महू (मध्यप्रदेश)/भाषा। भविष्य की सैन्य चुनौतियों से निपटने के लिए सभी सशस्त्र बलों के तालमेल और तकनीकों के एकीकरण पर बल देते हुए प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने मंगलवार को भारत की प्रस्तावित वायु रक्षा प्रणाली 'सुदर्शन चक्र' का संभावित खाका पेश किया।

जनरल चौहान ने कहा कि 'सुदर्शन चक्र' से सेंसरों, मिसाइलों, निगरानी उपकरणों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) उपकरणों को बड़े पैमाने पर जोड़ा जाएगा और यह प्रणाली 'ढाल और तलवार, दोनों की तरह काम करेगी। सीडीएस ने सैन्य छावनी महू के 'आर्मी वॉर कॉलेज' में तीनों सेनाओं की संयुक्त रक्षा संगोष्ठी रण संवाद 2025 में अपने संबोधन के दौरान यह बात कही। उन्होंने इशारा किया कि भारत की 'सुदर्शन चक्र' प्रणाली इजराइल के उस सर्वकालिक वायु रक्षा तंत्र 'आयरन डोम' की तर्ज पर होगी जिसे बेहद प्रभावशाली सैन्य कवच माना जाता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस पर अपने भाषण में 'सुदर्शन चक्र' की 10 वर्षीय महत्वाकांक्षी परियोजना की घोषणा की थी।

ऑस्ट्रेलिया ने ईरान पर यहूदी विरोधी हमले कराने का आरोप लगाया

तेहरान के साथ राजनयिक संबंध किए समाप्त

मेलबर्न/एपी। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने ऑस्ट्रेलिया में कम से कम दो यहूदी विरोधी हमलों में ईरान का हाथ होने का आरोप लगाया और इसके जवाब में मंगलवार को तेहरान के साथ राजनयिक संबंध समाप्त कर लिए।

अल्बनीज ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई सुरक्षा खुफिया संगठन (एएसआईओ) ने निष्कर्ष निकाला है कि ईरान सरकार ने पिछले साल अक्टूबर में सिडनी में कोषेर (यहूदी धार्मिक कानूनों के अनुसार तैयार किया गया भोजन) खाद्य कंपनी 'लुईस कॉन्टिनेंटल किचन' और पिछले साल दिसंबर में मेलबर्न में अदस इजराइल आराधनालय पर हमले का निर्देश दिया था। इस संबंध में ईरान सरकार ने अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग ने कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यह पहली बार है जब ऑस्ट्रेलिया ने किसी राजदूत को निष्कासित किया है।

हमास और इजराइल के बीच 2023 में युद्ध शुरू होने के बाद से इन दोनों शहरों में यहूदी विरोधी घटनाओं में तेजी से वृद्धि हुई है।

अल्बनीज ने संवाददाताओं से कहा, एएसआईओ पर्याप्त विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर एक बेहद परेशान करने वाले निष्कर्ष पर पहुंचा है। इनमें से कम से कम दो हमलों का निर्देश ईरान सरकार ने दिया था।

॥ मिच्छामी दुक्कडम ॥
संवत्सरी के इस महान पर्व पर
विगत वर्ष में जानते-अजानते
प्रमादवश हमारी किसी भी भूल,
त्रुटि या अशातना के लिए अंत:करण
से हृदय से क्षमायाचना करते हैं।

हमारे पूज्यनीय, स्मरणीय, प्रेरणास्रोत सेठसाहब
श्री केसरीमलजी-विमलादेवी बुरड, सेठसाहब श्री सुजानमलजी बुरड.

क्षमायाचना सहित

श्रीमती शंकुतलादेवी, प्रकाश-आरती, आदिती, वैभव बुरड़, देवगढ-बेंगलूरु

प्रकाश बुरड़ - जैन कॉन्फ्रेन्स, कर्नाटक प्रांतीय अध्यक्ष

लिथियम की आपूर्ति से जुड़ा जोखिम सेल विनिर्माण में निवेश को रोक रहा है: मारुति सुजुकी चेयरमैन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हंसलपुर (गुजरात)/भाषा। मारुति सुजुकी इंडिया के चेयरमैन आर. सी. भार्गव ने मंगलवार को कहा कि लिथियम की आपूर्ति के लिए चीन पर अत्यधिक निर्भरता के कारण जोखिम की स्थिति बनी हुई है जो निवेशकों को भारत में बैटरी सेल विनिर्माण में बड़े पैमाने पर निवेश करने से रोक रहा है।

मारुति सुजुकी इंडिया के पहले इलेक्ट्रिक वाहन ई-विटारा के 100 देशों में निर्यात की शुरुआत और यहां अपने संयंत्र में मजबूत हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए लिथियम आयन बैटरी सेल के उत्पादन के उद्घाटन से इतर भार्गव ने उम्मीद जताई कि भारतीय वैज्ञानिक ऐसी प्रौद्योगिकियां विकसित करने में सक्षम होंगे जो बाहरी आपूर्ति पर निर्भरता को हल कर सकें। उन्होंने कहा, हम अभी तक ईवी बैटरियां नहीं बनाते...भारत में कोई भी बैटरी सेल नहीं बना रहा है। आज इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) की एक समस्या यह है कि लोग सेल को बैटरियों में पैक कर रहे हैं लेकिन सेल का वास्तविक उत्पादन (भारत में) नहीं हो रहा है।

भार्गव ने जोर देकर कहा कि बैटरी सेल के उत्पादन के लिए संयंत्र स्थापित करना '' एक बहुत ही पूंजी-प्रधान प्रस्ताव है। उद्योग के अनुमानों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि एक बैटरी संयंत्र स्थापित करने में करीब 20,000 करोड़ रुपए की लागत आ सकती है। उन्होंने कहा, कच्चा माल (लिथियम) एक समस्या है। यदि मैं कोई संयंत्र लगाता हूं और मुझे कच्चा माल उपलब्ध नहीं होता तो एक निवेशक के रूप में मेरा जोखिम क्या होगा... खासकर यदि कच्चे माल पर एक ही आपूर्तिकर्ता का नियंत्रण हो?'' भार्गव ने कहा कि '' जोखिम बहुत अधिक है, संभवतः यही एक कारण है जिसके कारण लोग भारत में बैटरी विनिर्माण में निवेश करने से दूर रह रहे हैं। भार्गव ने कहा, आपूर्तिकर्ता के मनमाने निर्णय से मैं स्वयं को कैसे बचा सकता हूं?''

अन्य कंपनियों के साथ साझेदारी से समस्या हल होने के सवाल पर भार्गव ने कहा, या तो आप किसी चीन की कंपनी के साथ साझेदारी करें...उन्हें इसमें बहुमत दें और उन्हें स्थापित होने दें और वे आपको कच्चे माल की आपूर्ति का आश्वासन दें लेकिन अभी तक किसी ने ऐसा नहीं किया है। मारुति सुजुकी की अनुषंगी कंपनी टीडीएस लिथियम-आयन बैटरी गुजरात प्राइवेट लिमिटेड (टीडीएसजी) लिथियम-आयन बैटरी सेल का इलेक्ट्रोड-स्तरीय स्थानीयकरण हासिल करने वाली भारत की पहली कंपनी बन गई है। इसने यहां स्थित संयंत्र में एक मजबूत हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन के लिए पहली लिथियम-आयन बैटरी, सेल और इलेक्ट्रोड का विनिर्माण शुरू कर दिया है। टीडीएसजी ने 2021 में माइल्ड हाइब्रिड वाहनों के लिए बैटरियों का उत्पादन शुरू किया और तब से अबतक कुल 10 लाख से अधिक वाहनों के लिए बैटरी पैक का उत्पादन कर चुका है। इसने कुल 4,267 करोड़ रु. का निवेश किया है और प्रति वर्ष 1.2 करोड़ बैटरी के विस्तार की योजना बनाई है।

स्पेसएक्स के रॉकेट से उपग्रह प्रक्षेपित करेंगे पिक्सल, ध्रुव स्पेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बेंगलूरु से संचालित अंतरिक्ष स्टार्टअप पिक्सल स्पेस मंगलवार रात स्पेसएक्स के फाल्कन-9 रॉकेट के माध्यम से तीन नए हाइपरस्पेक्ट्रल पृथ्वी छायाचित्र उपग्रह प्रक्षेपित करेगा। यह प्रक्षेपण 'फायरफ्लाई' मिशन के पहले चरण के सफलतापूर्वक पूरा होने का संकेत है जो भारत का निजी पृथ्वी छायाचित्र उपग्रह समूह (कांस्टेलेशन) है।

'सेटेलाइट कॉन्स्टेलेशन' एक ऐसा नेटवर्क है जिसमें कई उपग्रह एक ही मिशन या उद्देश्य के लिए अंतरिक्ष में भेजे जाते हैं। जैसे कि धरती की निगरानी, इंटरनेट सेवा, मौसम की जानकारी और जीपीएस आदि के लिए।

हैदराबाद स्थित ध्रुव स्पेस भी अपने पहले व्यावसायिक लीप-01 (एलईएपी-01) मिशन को प्रक्षेपित कर रहा है। लीप-01 मिशन में ऑस्ट्रेलिया की कंपनियों अकुला टेक और एस्पर सैटेलाइट्स के पेलोड शामिल हैं। यह प्रक्षेपण भी फाल्कन-9 रॉकेट के माध्यम से ही किया जाएगा।

पिक्सल ने इस साल जनवरी में तीन फायरफ्लाई उपग्रहों का पहला कॉन्स्टेलेशन प्रक्षेपित किया था और तीन अतिरिक्त उपग्रहों का प्रक्षेपण, फायरफ्लाई मिशन के पहले चरण के सफलतापूर्वक पूरा होने का संकेत है। इसके बाद पृथ्वी की कक्षा में छह उपग्रहों का एक नेटवर्क बन जायेगा जो धरती की निगरानी, इंटरनेट सेवा, मौसम की जानकारी, और जीपीएस आदि में सहायक होगा।

पिक्सल के संस्थापक और सीईओ, अवैस अहमद ने पिछले हफ्ते एक बयान में कहा, इस प्रक्षेपण से हमारी परिकल्पना बड़े पैमाने पर काम करना शुरू कर रही है। उन्होंने कहा, कक्षा में छह फायरफ्लाइज़ के साथ, हम धरती की निगरानी उस सटीकता से कर सकते हैं जो व्यावसायिक अंतरिक्ष में पहले कभी नहीं देखी गई। हम मानवता की सबसे कठिन चुनौतियों का समाधान करने के लिए काम कर रहे सभी लोगों के लिए हाइपरस्पेक्ट्रल इंटेलिजेंस को सुलभ बनाने के पहले से कहीं ज़्यादा करीब हैं।

जम्मू क्षेत्र में भारी बारिश से रेल यातायात बाधित, 18 ट्रेन रद्द

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। जम्मू क्षेत्र में भारी बारिश के कारण उत्तर रेलवे ने मंगलवार को कटरा, उधमपुर और जम्मू रेलवे स्टेशन से आने-जाने वाली 18 ट्रेनों को रद्द कर दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

जम्मू क्षेत्र में सोमवार रात से लगातार हो रही बारिश को दशकों में सबसे भारी बारिश बताया जा रहा है, जिससे पुल क्षतिग्रस्त हो गए, सड़क संपर्क मार्ग बाधित हो गया और बड़ा भूभाग जलमग्न हो गया। भारी बारिश के कारण हो रहे नुकसान के बीच लोगों को

सुरक्षित क्षेत्रों में जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। अधिकारियों ने बताया कि जम्मू श्रीनगर और किश्तवाड़-डोडा राष्ट्रीय राजमार्गों पर यातायात बंद कर दिया गया है, जबकि कई पहाड़ी सड़कें भूस्खलन या अचानक आई बाढ़ के कारण क्षतिग्रस्त हो जाने से अवरुद्ध हो गई हैं। उन्होंने बताया कि एहतियात के तौर पर माता वैष्णो देवी मंदिर की तीर्थयात्रा भी स्थगित कर दी गई है। रेलवे के एक अधिकारी ने कहा, क्षेत्र में मौसम की स्थिति के मद्देनजर 18 ट्रेन रद्द कर दी गई हैं और चार ट्रेन को बीच रास्ते में ही रोक दिया गया है।

जम्मू में स्थिति गंभीर, बाढ़ से निपटने के उपायों की समीक्षा की : उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर/भाषा। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि भारी बारिश के बाद जम्मू के विभिन्न हिस्सों में स्थिति काफी गंभीर है और उन्होंने प्रशासन को हाई अलर्ट बनाए रखने का निर्देश दिया। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि उन्होंने जम्मू संभाग में बाढ़ जैसी स्थिति की समीक्षा के लिए एक आपातकालीन बैठक की अध्यक्षता की। मुख्यमंत्री कार्यालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि मुख्यमंत्री ने जम्मू में बाढ़ नियंत्रण उपायों का जायजा लेने के लिए यहां आयोजित एक बैठक में ये निर्देश दिए। जम्मू में भारी बारिश के कारण तीन लोगों की मौत हो गई तथा दो दर्जन से अधिक मकान और पुल क्षतिग्रस्त हो गए। जम्मू में लगभग सभी जलाशय खतरे के निशान से ऊपर बह रहे हैं, जिससे शहर और अन्य स्थानों पर कई निचले इलाके और सड़कें जलमग्न हो गई हैं। अधिकारियों ने बताया कि जम्मू-श्रीनगर और किश्तवाड़-डोडा राष्ट्रीय राजमार्गों पर यातायात स्थगित कर दिया गया है।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री को आमंत्रित करने के लिए राहुल, प्रियंका को बिहार से माफी मांगनी चाहिए: प्रधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मंगलवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाद्रा से कहा कि वे अपनी 'वोटर अधिकार यात्रा' में तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को आमंत्रित करने के लिए ''बिहार की जनता से माफी मांगें।

भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रधान ने यह टिप्पणी पार्टी की युवा शाखा भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में की। 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान मंगलवार को रेड्डी को सुपौल जिले में प्रियंका और राहुल के साथ देखा गया। प्रधान ने कहा, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को बिहार के लोगों से माफी मांगनी चाहिए। रेवंत रेड्डी ने कहा था कि बिहार का 'डीएनए घटिया' है। यात्रा में उनके साथ मौजूद राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव को भी माफी मांगनी चाहिए। रेड्डी ने कुछ साल पहले कथित तौर पर कहा था कि तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव के अंदर एक 'बिहारी डीएनए' है, जो 'तेलंगाना के डीएनए' जैसी गुणवत्ता वाला नहीं है। बिहार के लिए भाजपा के पूर्व प्रभारी महासचिव प्रधान ने विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन पर 'वोट चोरी' की 'अफवाहें फैलाने' का आरोप लगाया।

अमेरिकी शुल्क के कारण 2025-26 में रेडिमेड परिधान उद्योग की वृद्धि दर आधी रह जाएगी : रिपोर्ट

मुंबई/भाषा। भारत के सिलेसिलाए (रेडिमेड) परिधान उद्योग की राजस्व वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष 2025-26 में लगभग आधी होकर 3-5 प्रतिशत रह सकती है। एक रिपोर्ट में मंगलवार को यह जानकारी दी गई। अमेरिका भारत से आयात पर 50 प्रतिशत शुल्क लगा रहा है, जो 27 अगस्त, 2025 से प्रभावी होगा।

क्रिसिल रेटिंग्स ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि पिछले वित्त वर्ष में रेडिमेड परिधान (आरएमजी) का कुल निर्यात 16 अरब अमेरिकी डॉलर था, जो इस क्षेत्र के कुल राजस्व का 27 प्रतिशत था।

इसमें कहा गया कि एक-तिहाई निर्यात अमेरिका को किया गया था, और 50 प्रतिशत शुल्क भारत को चीन, बांग्लादेश और वियतनाम जैसे प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में नुकसानदेह स्थिति में ला देता है।

'संवैधानिक रूप से सबसे अनैतिक' है मोदी सरकार: सिब्बल

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल ने मंगलवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीत सरकार विपक्ष को निशाना बनाने के लिए कानूनों को हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर रही है और यह भारत के इतिहास में ''संवैधानिक रूप से सबसे अनैतिक'' सरकार है। उन्होंने उन विधेयकों की आलोचना की, जिनमें गंभीर आरोपों में गिरफ्तार होने पर 30 दिनों तक जेल में रहने पर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को पद से हटाने का प्रावधान है।

वरिष्ठ अधिवक्ता और राज्यसभा सदस्य सिब्बल ने दावा किया कि ये विधेयक इसलिए लाए गए हैं, क्योंकि भाजपा जानती है कि बिहार में माहौल बदल गया है और वह लोगों का ध्यान दूसरे मुद्दों की ओर मोड़ना चाहती है। सिब्बल ने कहा, आप कभी-कभी कुछ लोगों को मूर्ख बना सकते हैं, लेकिन आप सभी लोगों को हर समय मूर्ख नहीं बना सकते। इस विधेयक पर गृह मंत्री अमित शाह की हालिया कथित टिप्पणियों का हवाला देते हुए, सिब्बल ने कहा कि मंत्री ने संवैधानिक नैतिकता की बात की, लेकिन ''संवैधानिक नैतिकता का उनकी अपनी नैतिकता से कोई लेना-देना नहीं है'' और इसका विपक्ष की नैतिकता से सीधा संबंध है। केंद्र और राज्यों की भाजपा सरकारों में किसी भी मंत्री को गिरफ्तार नहीं किया है, जबकि जांच एजेंसियां एक के बाद एक विपक्षी नेताओं को निशाना बना रही हैं।

माता वैष्णो देवी मंदिर मार्ग पर भूस्खलन से पांच लोगों की मौत, 14 अन्य घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही बारिश की वजह से रियासी जिले की त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर जाने वाले रास्ते पर मंगलवार अपराह्न भूस्खलन हुआ जिसकी चपेट में आने से कम से पांच लोगों की मौत हो गई जबकि 14 अन्य घायल हुए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों के मुताबिक कई लोगों के मलबे में दबे होने की भी आशंका है।

माता वैष्णो देवी के भवन तक जाने की तीर्थयात्रा उस समय स्थगित कर दी गई, जब अपराह्न करीब तीन बजे पहाड़ की ढलानें ढह गईं और पत्थर, शिलाखंड और चट्टानें तेजी से नीचे गिरने लगीं। अचानक आई आपदा से श्रद्धालु चपेट में आ गए।

अधिकारियों ने बताया कि अर्द्धकुंवारी स्थित इंद्रप्रस्थ भोजनालय के पास बचाव अभियान जारी है, जहां अपराह्न करीब तीन बजे भूस्खलन की घटना हुई। उन्होंने बताया कि पहाड़ी पर स्थित मंदिर तक जाने वाले 12 किलोमीटर के घुमावदार रास्ते के लगभग आधे रास्ते पर यह घटना हुई। उन्होंने बताया कि भवन तक पहुंचने के दो रास्ते हैं। इनमें से

हिमकोटि मार्ग पर यात्रा सुबह ही स्थगित कर दी गई थी, लेकिन अपराह्न 1.30 बजे तक पुराने मार्ग पर यात्रा जारी थी। हालांकि मूसलाधार बारिश के मद्देनजर अगले आदेश तक इस रास्ते से भी यात्रा स्थगित करने का फैसला किया गया।

श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने अपने सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, अर्द्धकुंवारी में भूस्खलन की एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना में पांच लोगों की जान चली गई है और 14 अन्य घायल हो गए हैं। बचाव अभियान जारी है।

पंजाब के मोहाली की किरण भी उन लोगों में शामिल थीं जो पत्थरों, पेड़ों और चट्टानों की बारिश के बीच घिर गई थीं।

किरण ने कटरा के एक अस्पताल में संवाददाताओं से कहा, मैं दर्शन करने के बाद पहाड़ी से नीचे आ रही थी, तभी लोगों ने चिल्लाना शुरू कर दिया। मैंने पत्थर गिरते देखे। मैं सुरक्षित स्थान की ओर दौड़ी, लेकिन घायल हो गई।

हादसे से बाल-बाल बची और घटना से बदहवास एक अन्य लड़की ने बताया, हम पांच लोगों का समूह थे जिनमें से तीन घायल हैं।

जम्मू में गत तीन दिन से लगातार मूसलाधार बारिश हो रही है जिससे भारी नुकसान की आशंका हैं।

व्यक्ति ने कुत्तों से दोस्ती कर नियोक्ता के गोदाम में की चोरी

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के नजफगढ़ इलाके में एक शख्स ने कथित रूप से उसी गोदाम में चार लाख रुपए से ज्यादा की चोरी कर ली जहां वह काम करता था और उसने इस काम को अंजाम देने से पहले वहां पहरेदारी कर रहे कुत्तों से दोस्ती कर ली थी। हालांकि पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

यह घटना 20 अगस्त को घटित हुई और गिरफ्तार संदिग्ध व्यक्ति उसी गोदाम का कर्मचारी निकला। द्वारका जिले के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) अंकित सिंह ने बताया कि यह चोरी कोई आकस्मिक घटना नहीं थी, बल्कि बदले की भावना से की गई साजिश रचकर अंजाम दी गई वारदात थी।

अधिकारी ने बताया कि आरोपी मुमताज अपने नियोक्ता से कथित तौर पर नाराज था, क्योंकि उसने वेतन से कुछ हिस्सा अग्रिम तौर पर मांगा था, लेकिन नियोक्ता ने उसे मना कर दिया था। उसने आसानी से पैसा कमाने के साथ-साथ 'नियोक्ता को सबक सिखाने' का भी फैसला किया।

ईडी ने दक्षिण अफ्रीका के गुप्ता बंधुओं और उनसे जुड़े लोगों के खिलाफ धन शोधन जांच और छापेमारी शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को धन शोधन की जांच के तहत दक्षिण अफ्रीका के दागी गुप्ता बंधुओं और उनके सहयोगियों से जुड़े ठिकानों पर छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी।

सूत्रों ने बताया कि संघीय जांच एजेंसी की यह कार्रवाई 'राज्य अधिग्रहण घोटाले' से जुड़े एक मामले में दक्षिण अफ्रीका से भारत को प्राप्त पारस्परिक कानूनी सहायता अनुरोध (एमएलएआर) की पृष्ठभूमि में हुई है। भारतीय मूल के तीन भाइयों - अतुल, अजय और राजेश गुप्ता - पर पूर्व राष्ट्रपति जैकब जूमा के साथ घनिष्ठ संबंधों के माध्यम से दक्षिण अफ्रीका में अरबों रैंड (दक्षिण अफ्रीकी मुद्रा) की हेराफेरी करने का आरोप है। जूमा के 2018 में पद से हटने के बाद ये प्रभावशाली भाई और उनके परिवार वहां से दुबई चले गए। गुप्ता बंधुओं और पूर्व राष्ट्रपति जूमा ने किसी भी तरह की गड़बड़ी से इनकार किया है। जिन ठिकानों पर छापेमारी की गई, उनमें गुप्ता बंधुओं और वर्ल्ड विंडो समूह के पीयूष गोयल और सहारा कंप्यूटर्स व आईटीजे रिटेल्स प्राइवेट लिमिटेड जैसी उनकी सहयोगी संस्थाओं से जुड़े परिसर शामिल हैं। ईडी सूत्रों ने बताया कि उन्होंने अहमदाबाद में राम रतन जगती नाम के एक व्यक्ति के ठिकाने पर छापेमारी की, जो दुबई में जेजे ट्रेडिंग एफजेडई नामक एक फर्जी कंपनी बनाकर धन शोधन की योजना में शामिल एक 'प्रमुख व्यक्ति' था। सूत्रों के अनुसार, इस कंपनी का इस्तेमाल पीयूष गोयल और गुप्ता बंधुओं द्वारा धन शोधन के लिए कथित तौर पर एक 'वाहन' के रूप में किया गया था।

रंगभेद की समाप्ति के बाद जब दक्षिण अफ्रीका अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के लिए खुला, तो गुप्ता बंधु वहां चले गए।

राष्ट्रीय राजधानी में इस साल अगस्त में हुई सबसे अधिक बारिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय राजधानी में इस साल अगस्त सबसे अधिक बारिश वाला महीना साबित हुआ है जहां सामान्य से 60 प्रतिशत बारिश शुरुआती 26 दिनों में ही हो चुकी है। दिल्ली में मंगलवार को भी बारिश का क्रम जारी रहा जिससे कई हिस्सों में जलभराव और यातायात जाम की स्थिति पैदा हो गई।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में सामान्य मासिक औसत वर्षा 200.8 मिमी होती है, जबकि इस महीने अब तक शहर में 321.4 मिमी वर्षा दर्ज की गई है, जो सामान्य से लगभग 60 प्रतिशत अधिक है। पिछले साल दिल्ली में अगस्त महीने में कुल 390.3 मिमी बारिश हुई थी, जो दीर्घावधि औसत से 67 प्रतिशत अधिक थी। दिल्ली में पिछले साल अगस्त महीने में सबसे अधिक बारिश का रिकॉर्ड 30 अगस्त को बना था।

आंकड़ों के मुताबिक शहर में जून में सामान्य से तीन गुना अधिक वर्षा (243.3 मिमी) तथा जुलाई में लगभग सामान्य वर्षा (203.7 मिमी) दर्ज की गई। इस महीने में अब तक 12 दिन बारिश हुई है, तथा यह संख्या और बढ़ सकती है, क्योंकि मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में और अधिक बारिश होने का अनुमान लगाया है। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली में मानसून के दौरान होने वाली मौसमी औसत वर्षा समय से पहले ही हो चुकी है। मानसून का मौसम एक जून से 30 सितंबर तक होता है। दिल्ली में मानसून ने जून के अंत में दस्तक दी थी और तब से अब तक 700

मिमी से अधिक बारिश हो चुकी है, जिससे यह 774.4 मिमी की वार्षिक वर्षा के करीब पहुंच गया है। आईएमडी के मुताबिक 24 घंटे की अवधि में 15.5 मिमी तक वर्षा को 'हल्की, 15.6 मिमी और 64.4 मिमी के बीच वर्षा को 'मध्यम, 64.5 मिमी और 115.5 मिमी के बीच वर्षा को 'भारी' तथा 115.5 मिमी से अधिक वर्षा को 'बहुत भारी' श्रेणी में रखा जाता है। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक मंगलवार सुबह 8.30 बजे से शाम 5.30 बजे के बीच शहर के पालम में आठ मिमी, रिज में 10.4 मिमी, आयानगर में 5.1 मिमी और सफदरजंग स्थित मौसम केंद्र पर 1.6 मिमी बारिश दर्ज की गई।

इससे पहले दिन में, सुबह 8.30 बजे तक समाप्त हुए 24 घंटे में सफदरजंग वेधशाला में 68.1 मिमी बारिश दर्ज की थी। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार इसी अवधि के दौरान रिज में 129.5 मिमी, लोधी रोड में 71.8 मिमी, प्रगति मैदान में 45.5 मिमी और पूसा में 37.5 मिमी बारिश दर्ज की गई। बारिश के बाद दिल्ली-जयपुर राजमार्ग, मधुबन चौक, पीरागढ़ी रोड और शादीपुर पर भारी यातायात जाम की सूचना मिली। ओल्ड रोहतक रोड, एम्स क्रॉसिंग, आईटीओ क्षेत्र और महरौली-बदरपुर रोड पर भी जलभराव देखा गया। दिल्ली में अधिकतम तापमान 31.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि न्यूनतम तापमान 23.9 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 2.5 डिग्री कम है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, शहर में गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 55 दर्ज किया गया जो 'संतोषजनक' श्रेणी में आता है।

मानकों के मुताबिक शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को 'अच्छा, 51 से 100 के बीच को 'संतोषजनक, 101 से 200 के बीच को 'मध्यम, 201 से 300 के बीच को 'खराब, 301 से 400 के बीच को 'बहुत खराब' और 401 से 500 के बीच को 'गंभीर' माना जाता है।

सड़क हादसों पर अंकुश लगाने के लिए 'सड़क सुरक्षा मित्र' कार्यक्रम की शुरुआत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग ने मंगलवार को 28 जिलों में सड़क सुरक्षा के लिए युवाओं को प्रेरित करने के वास्ते सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के सड़क सुरक्षा मित्र कार्यक्रम की शुरुआत की। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

बयान के अनुसार, यह कार्यक्रम कानपुर नगर, गौतमबुद्ध नगर, लखनऊ, प्रयागराज, आगरा, बरेली, गोरखपुर, सहारनपुर, मथुरा, बुलंदशहर, अलीगढ़, उन्नाव, हरदोई, सीतापुर, कुशीनगर, बाराबंकी, जौनपुर, बदायूं, बिजनौर, आजमगढ़, फतेहपुर, मैनपुरी, फिरोजाबाद, रायबरेली, सोनभद्र, लखीमपुर खीरी, शाहजहांपुर और बस्ती जिलों में लागू किया जाएगा। इस पहल के तहत, 18-28 वर्ष की आयु के स्वयंसेवकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसमें कहा गया कि इस पहल का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना, आपातकालीन प्रतिक्रिया को मजबूत करना और नागरिक सुरक्षा में सुधार लाना है।

बयान के अनुसार, युवा मामले एवं खेल मंत्रालय के साथ साझेदारी में शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य दुर्घटनास्थल समन्वय, ब्लैक-स्पॉट ऑडिट, जागरूकता अभियान और आंकड़ा-आधारित सड़क सुरक्षा योजना में सहायता के लिए माई भारत मंच के माध्यम से स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित और तैनात करना है। उत्तर प्रदेश परिवहन आयुक्त ब्रजेश नारायण सिंह ने चयनित 28 जिलों के जिलाधिकारियों को लिखे पत्र में जिला सड़क सुरक्षा समितियों (डीआरएससी) के माध्यम से कार्यक्रम के समयबद्ध कार्यान्वयन का निर्देश दिया। पत्र में 12-चरणीय कार्ययोजना के अनुरूप स्वयंसेवकों को शामिल करने, प्रशिक्षण देने और मासिक प्रदर्शन समीक्षा पूरी करने का निर्देश दिया गया है। परिवहन आयुक्त ने कहा, सड़क सुरक्षा मित्र हमारे युवाओं की ऊर्जा को ठोस सड़क सुरक्षा परिणामों में बदलने का एक राष्ट्रीय प्रयास है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय और उत्तर प्रदेश सरकार चाहती है कि प्रत्येक जिला स्पष्ट समय-सीमा के भीतर दुर्घटनास्थल प्रबंधन, ब्लैक-स्पॉट ऑडिट और जन जागरूकता को शामिल करते हुए एक संयुक्त कार्य योजना लागू करे, ताकि दुर्घटनाओं और मौतों में कमी आए, प्रतिक्रिया समय में सुधार हो और नागरिकों की सुरक्षा मजबूत हो।

स्टालिन ने तमिलनाडु के शहरी क्षेत्रों में 'मुख्यमंत्री नाश्ता योजना' का विस्तार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार की प्रमुख पहल 'मुख्यमंत्री नाश्ता योजना' का मंगलवार को राज्य के शहरी क्षेत्रों में विस्तार किया। 'मुख्यमंत्री नाश्ता योजना' के विस्तार की शुरुआत को लेकर आयोजित उद्घाटन कार्यक्रम में स्टालिन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ स्टालिन ने यहां सेंट जोसेफ प्राइमरी स्कूल' में बच्चों को भोजन परोसा और योजना के विस्तार की औपचारिक शुरुआत की। स्टालिन और मान ने बच्चों के साथ बैठकर भोजन भी किया। इस विस्तार के साथ योजना का पांचवां चरण शुरू हो गया है, जिससे 2,429 विद्यालयों के 3.06 लाख अतिरिक्त बच्चों को लाभ मिलेगा।

योजना के विस्तार के बाद अब राज्य में कुल 20.59 लाख बच्चे 'मुख्यमंत्री नाश्ता योजना' से लाभान्वित होंगे। सरकारी प्रवक्ता पी. अमुधा ने सोमवार को बताया था कि एक केंद्रीकृत रसोई में नाश्ता साफ-सुथरे तरीके से तैयार करने के लिए उचित कदम उठाए गए हैं। अतिरिक्त मुख्य सचिव अमुधा ने कहा, तैयार किए गए पोंगल, खिचड़ी या उपमा जैसे व्यंजनों और साथ में परोसे जाने वाले दाल व

सांभर को वैन के जरिए संबंधित स्कूलों तक पहुंचाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने छह मई 2022 को विधानसभा में घोषणा की थी कि पहली कक्षा से पांचवीं तक के छात्रों के लिए निःशुल्क नाश्ता योजना शुरू की जाएगी। उन्होंने इस योजना का पहला चरण 15 सितंबर को मदुरै में शुरू किया था।

स्टालिन ने रविवार को कहा था, जस्टिस पार्टी के दिनों से लेकर द्रविड़ मॉडल सरकार तक, हम बच्चों को भोजन प्रदान करते आए हैं और उन्हें शिक्षा उपलब्ध कराते हैं। यह सिर्फ भोजन नहीं है, बल्कि बच्चों के विकास के लिए एक मजबूत आधार है। अपने उद्घाटन भाषण में स्टालिन ने तमिलनाडु के स्कूलों में स्कूली बच्चों को भोजन उपलब्ध कराने की शुरुआत और इसके विकास का जिक्र करते हुए कहा कि एक सदी से भी अधिक पहले चेन्नई में जस्टिस पार्टी' के शासन के दौरान पहली बार चेन्नई निगम द्वारा संचालित एक स्कूल में भोजन उपलब्ध कराया गया था। उन्होंने कहा कि इसके बाद दिवंगत मुख्यमंत्री के. कामराज के कार्यकाल के दौरान, दोपहर के भोजन की योजना (1956-57) लागू की गई और ऐसी पहलों को जारी रखते हुए, द्रविड़ मॉडल सरकार ने नाश्ते की योजना शुरू की। 'मुख्यमंत्री नाश्ता योजना' स्टालिन द्वारा 15 सितंबर, 2022 को तब शुरू की गई थी, जब एक स्कूल के दौरे के दौरान उन्हें पता चला कि कई बच्चों ने सुबह कुछ नहीं खाया था। उन्होंने 2024-25 के दौरान राज्य की 11.19 प्रतिशत की दोहरे अंकों वाली आर्थिक वृद्धि दर का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य सभी क्षेत्रों में नंबर एक बने, यही उनका लक्ष्य है। बच्चों से मुख्यमंत्री ने कहा, ''अच्छा खाओ, अच्छा सीखो, अच्छा खेलो, तुम्हारा जीवन अच्छा होगा। शुभकामनाएं।''

'तमिलनाडु मुख्यमंत्री नाश्ता योजना' अच्छी पहल, इसे पंजाब में शुरू करने पर विचार करेंगे : भगवंत मान

चेन्नई। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बच्चों को स्कूल छोड़ने से रोकने और उनके स्वास्थ्य में सुधार के लिए तमिलनाडु मुख्यमंत्री नाश्ता योजना' की सराहना करते हुए मंगलवार को कहा कि वह अपने राज्य में इस अच्छी योजना को शुरू करने के लिए अपने मंत्रिमंडल में चर्चा करेंगे। मान ने 'मुख्यमंत्री नाश्ता योजना' के पांचवें चरण के उद्घाटन समारोह में भाग लेते हुए कहा, यह एक अच्छी पहल है। मैं इस योजना को लागू करने के लिए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन को बधाई देता हूं। भूखे बच्चे पढ़ाई नहीं कर पाते और पढ़ाई के प्रति उनका रुझान कम हो जाता है क्योंकि उनका ध्यान अपनी भूख मिटाने पर ही लगा रहता है।

मान ने कार्यक्रम में तमिलनाडु के अपने समकक्ष एम के स्टालिन की ओर देखते हुए कहा, ''मैं पंजाब में इस योजना

को शुरू करने के लिए अपने मंत्रिमंडल में चर्चा करूंगा।'' उन्होंने कहा कि पंजाब ने शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी अच्छा प्रदर्शन किया है। उनकी सरकार ने आम आदमी क्लीनिक शुरू किए हैं जहां जनता को मुफ़्त दवाइयां मिलती हैं और उनके रक्त परीक्षण निशुल्क किए जाते हैं।

पंजाब के मुख्यमंत्री ने कहा, कुछ महीने पहले, 805 सरकारी स्कूल छात्र नीट परीक्षा में उत्तीर्ण हुए थे और जेईई में सफल होने वाले 416 छात्रों में से 44 छात्र सरकारी स्कूलों के थे।

मान ने दक्षिण भारतीय व्यंजनों की तारीफ करते हुए कहा कि पंजाब के लगभग हर कस्बे में 'उपमा' और 'मसाला डोसा' मिलता है। उन्होंने कहा, आपका खाना राष्ट्रीय भोजन है। हमारा खाना (पचाने में) थोड़ा भारी होता है। आज आपने बच्चों को जो खाना परोसा, वह स्वास्थ्यवर्धक है।

अमेरिकी जहाज 'यूएसएस फ्रैंक केबल' संक्षिप्त यात्रा पर चेन्नई बंदरगाह पहुंचा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। पनडुब्बी और पोत का सहयोग करने के लिए विकसित अमेरिकी जहाज यूएसएस फ्रैंक केबल' (एएस 40) मंगलवार को एक संक्षिप्त यात्रा पर चेन्नई बंदरगाह पहुंचा।

वर्ष 1979 में इस जहाज को सेवा में शामिल किया गया था। यह जहाज समुद्र में पनडुब्बियों और अन्य पोत को मरम्मत समेत अन्य सुविधा मुहैया कराता रहा है। इस पर लगभग 520 नाविक सवार हैं, जिनमें 150 असैन्य नाविक और 370 अमेरिकी नौसेना के नाविक शामिल हैं।

जहाज पर पत्रकारों को जानकारी देते हुए कार्यकारी अधिकारी कमांडर माइकल रोड्रिगेज ने कहा, हमारा काम पनडुब्बियों को उनके मूल बंदरगाह या अन्य बंदरगाहों पर मरम्मत, साजो सामान और अन्य सहायता प्रदान करना है। हम पनडुब्बी के मूल बंदरगाह से दूर लंगर डालते हैं और उन्हें देखभाल में मदद करते हैं।

उन्होंने कहा, इस जहाज को 1979 में सेवा में शामिल किया गया था और यह एक पुराना नौसैन्य जहाज है। हम इसकी बहुत अच्छी देखभाल करते हैं ताकि यह लंबे समय तक चल सके। हमारा जहाज एक हाइब्रिड जहाज है। इस पर लगभग 150 असैन्य नाविक और 370 अमेरिकी नौसेना के नाविक हैं। एक सवाल पर उन्होंने कहा, यह (चेन्नई यात्रा) भारतीय नौसेना के साथ हमारी साझेदारी को मजबूत करने का एक बड़ा अवसर है।

असैन्य नाविकों के बारे में उन्होंने कहा कि जब समुद्र में नौकायन मुश्किल होता है, तो वे किसी दूसरी पनडुब्बी या जहाज पर चले जाते हैं। रोड्रिगेज ने बताया कि उन्हें (असैन्य नाविकों को) अमेरिकी तटरक्षक बल से लाइसेंस प्राप्त है और वे उस पनडुब्बी का निरीक्षण करते हैं और उसे ठीक करने के उपाय के लिए वापस आते हैं।

इससे पहले, संपर्क कार्यक्रम के तहत, जहाज के कुछ नाविकों को शहर के गुरु नानक कॉलेज के छात्रों के साथ क्रिकेट मैच खेलने का अवसर मिला और उनके साथ संक्षिप्त बातचीत भी हुई। कुछ समय तक ठहराव के बाद जहाज के बुधवार को रवाना होने की संभावना है।

गुंडागर्दी द्रमुक की राजनीतिक संस्कृति है : अन्नामलाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता एवं पार्टी की तमिलनाडु इकाई के पूर्व अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने मंगलवार को आरोप लगाया कि गुंडागर्दी द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) की ''राजनीतिक संस्कृति'' है।

अन्नामलाई ने एक वीडियो क्लिप भी साझा की जिसमें द्रमुक का एक निर्वाचित प्रतिनिधि उस व्यक्ति पर हमला करते नजर आ रहा है जिसने अपने घर के सामने पार्टी का बैनर लगाने का विरोध किया था। अन्नामलाई ने अपने 'एक्स' हैंडल पर इस कथित हमले का 1.02 मिनट का वीडियो साझा किया। उन्होंने पोस्ट में लिखा, द्रमुक की गुंडागर्दी का सार्वजनिक प्रदर्शन। द्रमुक तिरुवरूर वार्ड के पार्षद

पुरुषोत्तम और उनके गिरोह ने एक व्यक्ति पर इसलिए हमला किया क्योंकि उसने अपने घर के सामने बैनर लगाए जाने का विरोध किया था। मंत्री हों या पार्षद, गुंडागर्दी द्रमुक की राजनीतिक संस्कृति है। स्टालिन महोदय, आपकी पार्टी जो हिंसा और धमकियों पर टिकी है, वह बनावटी माफीनामों के पीछे नहीं छिप सकती। अन्नामलाई ने द्रमुक अध्यक्ष और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन को ''टैग'' करते हुए यह टिप्पणी की। इस मामले में सत्तारूढ़ पार्टी की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

समुद्र तट पर आवारा कुत्तों को खाना खिला रही महिला पर पुलिसकर्मी की टिप्पणी से विवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। रात्रि गश्त पर तैनात चेन्नई के एक पुलिसकर्मी ने तिरुवनमियूर समुद्र तट पर आवारा कुत्तों को खाना खिला रही एक महिला पर ''उत्पीड़न हो सकने'' संबंधी टिप्पणी करके विवाद पैदा कर दिया। पुलिसकर्मी ने कहासुनी रिकॉर्ड करने के कारण महिला का मोबाइल फोन कथित तौर पर छीन लिया, लेकिन बाद में उसे लौटा दिया। पुलिस विभाग ने हालांकि पुलिसकर्मी के कथित अशिष्ट व्यवहार की घटना पर अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। इस तीखी बहस का एक वीडियो सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित हुआ है जिसमें पुलिसकर्मी को अपनी पहचान कार्तिक बताते सुना जा सकता है।

तिरुवनमियुर समुद्र तट पर रात्रि गश्त के दौरान कांस्टेबल ने एक महिला और उसकी चाची को आवारा कुत्तों को खाना खिलाने के लिए डांटा और उन्हें कड़े शब्दों में घर जाने के लिए कहा। हालांकि वीडियो में, महिला द्वारा पुलिसकर्मी को यह कहते सुना जा सकता है कि अगर वे समुद्र तट पर 30 से 40 आवारा कुत्तों को खाना खिलाती हैं, तो उन्हें क्या दिक्कत है। पुलिसकर्मी ने दोनों महिलाओं को सलाह दी कि वे चार दिनों तक आवारा कुत्तों को खाना न खिलाएं और इस तरह कुत्तों को इलाके में आने से रोकें जो वहां उत्पात मचाते हैं। वहीं, महिला ने इस पर आपत्ति जताते हुए जोर देकर कहा कि देर रात आवारा कुत्तों को खाना खिलाना उसका विशेषाधिकार है। उसने यह भी कहा कि उसे फटकार लगाना उत्पीड़न के समान है। इस पर, पुलिसकर्मी ने कहा, ''अगर आप आधी रात को बाहर घूमेंगी तो उत्पीड़न हो सकता है।'' हालांकि, महिला ने पुलिसकर्मी से अपनी बात दोहराने को कहा और उसने उसे दोहराया भी। वीडियो में, महिला कह रही है, ''क्या आप पुलिस हो?'' वहीं, पुलिसकर्मी ने पूछा, ''क्या आप पब्लिक हो?'' फिर उसने महिला का मोबाइल फोन छीन लिया और उसे पुलिस थाने से लेने को कहा।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया चेन्नई के खुदरा ऋण शिविर में 62 करोड़ के ऋण स्वीकृत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के चेन्नई क्षेत्रीय कार्यालय ने सोमवार को एक खुदरा ऋण शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जिसमें चेन्नई के क्षेत्रीय प्रमुख शशिधर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। शिविर का आयोजन क्षेत्रीय प्रमुख पवन अग्रवाल और उप-क्षेत्रीय प्रमुख योगेंद्र कुमार त्रिवेदी के नेतृत्व में किया गया।

कार्यक्रम के दौरान, लगभग 40 ग्राहकों को स्वीकृति पत्र और सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की गई। 7 अगस्त को शुरू हुआ यह खुदरा ऋण शिविर एक अत्यंत सफल आयोजन के बाद संपन्न हुआ, जिसमें विभिन्न खुदरा उत्पादों में कुल 62 करोड़ के ऋण स्वीकृत किए गए। अपने संबोधन में, शशिधर ने ग्राहक-केंद्रित बैंकिंग के प्रति सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की प्रतिबद्धता और बेहतर वित्तीय सेवाएँ प्रदान करने के उसके दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला।

क्षेत्रीय प्रमुख पवन अग्रवाल ने समावेशी आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में बैंकिंग की महत्वपूर्ण भूमिका पर ज़ोर दिया और व्यक्तियों एवं व्यवसायों, दोनों के लिए समय पर वित्तीय समाधान प्रदान करने के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता दोहराई। इस कार्यक्रम में उप-क्षेत्रीय प्रमुख योगेंद्र कुमार त्रिवेदी के साथ-साथ चेन्नई क्षेत्र के मुख्य प्रबंधकों और शाखा प्रमुखों ने सक्रिय भागीदारी की, जिससे शिविर का सुचारू संचालन और सफलता सुनिश्चित हुई।

'समुद्री उत्कृष्टता को उत्प्रेरित करना: लोग, बुनियादी ढांचा और अवसर' पर कार्यशाला-सह-रोड शो

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई बंदरगाह प्राधिकरण ने आगामी भारत समुद्री सप्ताह (आईएमडब्ल्यू) 2025 के लिए 25 अगस्तको चेन्नई में एक कार्यशाला-सह-रोड शो का आयोजन किया, जो 27 से 31 अक्टूबर तक मुंबई में आयोजित किया जाएगा। इस रोड शो में 150 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें भारत सरकार, तमिलनाडु सरकार, प्रमुख बंदरगाहों, निजी बंदरगाहों और टर्मिनलों, राष्ट्रीय और क्षेत्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंडलों, एक्जिम व्यापार, शिपिंग लाइनों, डीसीआई, सीएसएल, एससीआई, भारतीय समुद्री विश्वविद्यालय, शिक्षाविदों और अनुसंधान संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारी/प्रतिनिधि शामिल थे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, भारत सरकार के पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय के सचिव टी.के. रामचंद्रन ने अपने विशेष संबोधन में भारत को विश्व के अग्रणी समुद्री राष्ट्रों में अग्रणी बनाने के लिए भारत सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि महासागर हमें जोड़ते हैं और हाल ही में हुए अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों -

महाबलिपुरम में भारत-आसियान क्रूज संवाद (30 जून और 1 जुलाई) और विशाखापत्तनम में आयोजित बिम्सटेक कार्यक्रम (14 और 15 जुलाई) का उद्देश्य पड़ोसी देशों के साथ घनिष्ठ और गहन बहुपक्षीय संबंध स्थापित करना है।

कार्यशाला-सह-रोड शो के दौरान, चेन्नई एवं कामराजर बंदरगाह के अध्यक्ष सुनील पालीवाल ने दो विषयगत क्षेत्रों - 'परियोजनाएँ, योजनाएँ एवं सार्वजनिक-निजी भागीदारी', और 'मानव संसाधन (विभागीय एवं संस्थागत)' के अंतर्गत पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय की हालिया पहलों पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने सार्वजनिक-निजी भागीदारी परियोजनाओं के लिए आदर्श रियायत समझौतों, पर्यावरण मंजूरी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने, प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण पहलों, नियमों एवं विनियमों के मानकीकरण, तथा सामान्य सीधी भर्ती के माध्यम से हाल ही में शुरू किए गए रोजगार अभियान के संबंध में मंत्रालय द्वारा लिए गए नीतिगत निर्णयों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान, उद्योग, व्यापार, शिक्षा और अनुसंधान जैसे विभिन्न क्षेत्रों के वक्ताओं ने अपने अनुभव साझा किए और प्रतिभागियों को आईएमडब्ल्यू 2025 में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

भारत समुद्री सप्ताह 2025 में 100 से अधिक देशों के 1,00,000 से अधिक प्रतिनिधि एक साथ आएंगे और इससे 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश के अवसर पैदा होने की संभावना है। यह दुनिया के सबसे बड़े समुद्री आयोजनों में से एक है। आईएमडब्ल्यू 2025 ऐसा चौथा आयोजन है। मैरीटाइम इंडिया समिट 2016 भारत का पहला बड़े पैमाने पर समुद्री-केंद्रित आयोजन था। इस शिखर सम्मेलन ने सागरमाला कार्यक्रम की शुरुआत का समर्थन किया और अरबों डॉलर के निवेश के समझौता ज्ञापनों को सुगम बनाया। इसमें 40 से ज़्यादा देशों के 5,000 से ज़्यादा प्रतिनिधियों ने भाग लिया। मैरीटाइम इंडिया समिट 2021 महामारी के कारण वर्चुअल रूप से आयोजित किया गया था, लेकिन इसमें 100 से ज़्यादा देशों के 1.9 लाख लोगों ने रिकॉर्ड भागीदारी की। ग्लोबल मैरीटाइम इंडिया समिट (जीएमआईएस) 2023 ने एक हाइब्रिड आयोजन प्रारूप के साथ भारत के समुद्री दृष्टिकोण को वैश्विक स्तर पर विस्तारित किया। इसमें हरित गलियारों, डिजिटलीकरण, स्वायत्त नौवहन और बंदरगाह-आधारित विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया।

अमृता ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस ने नौवां स्नातक दिवस मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अमृता ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस ने यहां के एक होटल में अपना 9वा स्नातक दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया। इस अवसर पर चेन्नई, हैदराबाद, विजयवाड़ा और बेंगलूरु स्थित अमृता ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के सभी परिसरों के लगभग 400 स्नातक छात्रों की उपलब्धियों को सम्मानित किया गया। समारोह में ओपन यूनिवर्सिटी मलेशिया (ओयूएम) और फ्यूचर ड्रीम अकादमी, मलेशिया के प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम में ओयूएम मलेशिया के अध्यक्ष वाईबीएचजी प्रोफेसर डॉ. अहमद इजानी अवांग ने मुख्य भाषण दिया और स्नातकों को डिप्लोमा प्रदान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता चेन्नई के अमृता ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के अध्यक्ष आर. भूमिनाथन ने की, उन्होंने स्नातकों को बधाई दी और विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी पेशेवर तैयार करने के संस्थान के मिशन पर बल दिया।

कई राज्यों में हिंदी बनाम स्थानीय भाषा के तनाव से आंध्र प्रदेश अछूता, हिंदी को मिला सत्ता का साथ

अमरावती/भाषा। कई राज्यों में हिंदी बनाम स्थानीय भाषा का मुद्दा सियासी तौर पर उग्र रूप ले रहा है और कुछ स्थानों पर तो इस मुद्दे की आड़ में हिंसक घटनाएं भी हुई हैं।

इसके विपरीत आंध्र प्रदेश का राजनीतिक परिदृश्य इससे अछूता नजर आता है। हालांकि कुछ नेता यहां भी गाहे-बगाहे हिंदी बनाम तेलुगु के मुद्दे को तूल देने की कोशिश करते रहे हैं। भाषा विवाद ने देश के बड़े हिस्से को प्रभावित किया है, विशेष रूप से महाराष्ट्र, कर्नाटक और तमिलनाडु को, लेकिन इन राज्यों के विपरीत आंध्र प्रदेश विभाजन से पहले भी इस तरह के मुद्दों को लेकर शांत राज्य रहा है।

अपनी उत्कृष्ट धर्मनिरपेक्षता तथा अन्य संस्कृतियों और भाषाओं के प्रति अनुकरणीय स्वीकृति के लिए प्रसिद्ध आंध्र प्रदेश को अचानक तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार से हिंदी के लिए नए समर्थक मिल गए हैं। जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती वाईएसआर कांग्रेस पार्टी सरकार के दौरान अंग्रेजी नेताओं के बीच विवाद का विषय थी। जगन मोहन सरकार ने 2019 और 2024 के बीच के कार्यकाल के दौरान अंग्रेजी को बढ़ावा दिया। वहीं मौजूदा सरकार में उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण, मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और अन्य के माध्यम से हिंदी का ध्यान आकर्षित कर रही है। कुछ महीने पहले जनसेना के 12वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पार्टी अध्यक्ष एवं उप मुख्यममंत्री कल्याण ने बिना किसी का नाम लिए तमिलनाडु के ''हिंदी विरोध'' को लेकर निशाना साधा था। कल्याण ने तमिल फिल्म उद्योग पर कटाक्ष करते हुए कहा था कि तमिलनाडु हिंदी का स्वागत नहीं करता लेकिन तमिल फिल्मों को हिंदी में डब करके उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे हिंदी भाषी क्षेत्रों से पैसा कमाना चाहता है। हाल के दिनों में खुले तौर पर हिंदी का समर्थन कर चुके कल्याण ने हैदराबाद में हाल ही में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि इस भाषा का विरोध करना भविष्य की पीढ़ियों के विकास को सीमित करने'' के समान है।

उन्होंने दोनों भाषाओं की रोचक तुलना करते हुए कहा कि तेलुगु भाषा जहां तेलगु भाषियों के लिए 'मां' है वहीं हिंदी 'पेद्दम्मा' (मौसी) है। उनकी इस तुलना की व्यापक पैमाने पर आलोचना हुई थी। राजग के प्रमुख सहयोगी और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नायडू ने हाल ही में दिल्ली की यात्रा के दौरान कहा था कि भारत में अब ऐसा समय आ गया है, जब कुछ लोग हिंदी सीखने की आवश्यकता पर सवाल उठा रहे हैं।

साथ ही उन्होंने रेखांकित किया कि कई भाषाओं के ज्ञान ने ही पूर्व प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिंह राव को महान बनाया था। नायडू ने पूर्व प्रधानमंत्री का संदर्भ देते हुए कहा, ''एक विद्वान (राव) 17 भाषाओं में पारंगत थे। अब हम सभी इस बारे में बात कर रहे हैं कि हमें हिंदी क्यों सीखनी चाहिए। उन्होंने न केवल हिंदी सीखी, बल्कि 17 भाषाएं भी सीखीं। इस तरह वे एक महान व्यक्ति बन गए।'' कल्याण ने जनसेना स्थापना दिवस पर अपने उग्र भाषण के बाद हिंदी का समर्थन करते हुए 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, ''मैंने कभी एक भाषा के रूप में हिंदी का विरोध नहीं किया। मैंने केवल इसे अनिवार्य बनाने का विरोध किया था...।'' राजनीतिक विश्लेषक अंजी रेड्डी कहते हैं कि जहां तक आंध्र प्रदेश का सवाल है, तो हिंदी भाषा के मुद्दे का कोई राजनीतिक महत्व नहीं है, क्योंकि पिछली शताब्दी में भाषाई राजनीति की शायद ही कोई भूमिका रही है'', बावजूद इसके कि यह दक्षिणी राज्य 1953 में भाषाई आधार पर अलग होने वाला पहला राज्य था।

निशुल्क दवा योजना का लाभ 14 साल में 163 करोड़ मरीजों ने उठाया : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि उनके लिए यह बेहद संतुष्टि देने वाला है कि 2011 में कांग्रेस कांग्रेस सरकार द्वारा शुरू की गई मुख्यमंत्री निशुल्क दवा योजना का लाभ 14 साल में 163 करोड़ मरीजों ने उठाया है।

गहलोत ने मंगलवार को अपने बयान में यह बात कही। उन्होंने कहा कि यह संख्या पूरे यूरोप महाद्वीप की आबादी के दोगुने से भी अधिक है जो दिखाता है कि यदि सरकार की इच्छा शक्ति हो तो कोई भी जनकल्याण का कार्य किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस योजना से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों में भी आत्मविश्वास जागा और वो इलाज के लिए आगे आने लगे। उन्होंने कहा मुझे याद है कि एक विधायक ने मुझसे कहा था कि इस योजना से लड़कियों को ज्यादा लाभ होगा क्योंकि सामाजिक तौर पर होने वाले भेदभाव के कारण कई लोग पैसे के अभाव में लड़कियों का इलाज नहीं करवाते थे। अब दवा एवं इलाज निशुल्क होने से उनकी जान बच सकेगी। गहलोत ने कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में उनका प्रयास आमजन के लिए जीरो कॉस्ट हेल्थ सिस्टम बनाने का रहा, इसलिए पहले निशुल्क दवा, फिर निशुल्क जांच फिर चिरंजीवी योजना के जरिये निजी एवं राजकीय चिकित्सालयों में निशुल्क इलाज शुरू किया गया। उन्होंने कहा मुझे प्रसन्नता है कि हमारी सरकार के कार्यकाल में राजस्थान का हेल्थ मॉडल पूरे देश में चर्चित रहा एवं कई दूसरी सरकारों ने इस मॉडल को अपनाया।

कार फिसलकर बरसाती नाले में गिरी, तीन की मौत

उदयपुर। राजस्थान के उदयपुर जिले में एक कार सड़क से फिसलकर बरसाती नाले में गिर गई जिससे कार सवार तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यह घटना सोमवार देर रात खेरवाड़ा थाना क्षेत्र के लकोड़ा गांव के पास हुई। पुलिस के अनुसार दुर्घटना के समय एसयूवी वाहन में पांच लोग सवार थे। उनमें से दो लोग खिड़की का शीशा तोड़कर निकलने में सफल रहे जबकि तीन अन्य की डूबने से मौत हो गई। मृतकों की पहचान ध्रुव पटेल, लव पटेल और नरेश मीणा के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि नरेश मीणा और ध्रुव पटेल के शव रात में ही बरामद कर लिए गए थे, जबकि लव पटेल का शव आज मिला। दुर्घटनास्थल पर विकट मोड़ है जहां भारी बारिश के कारण नाला उफान पर था। पुलिस ने बताया कि संभवत: रात में कम दृश्यता और पानी के तेज बहाव के कारण वाहन सड़क से फिसलकर नाले में गिर गया।

शैक्षिक उत्कृष्टता के लिए निरंतर कार्य हो, राजस्थान देश का अग्रणी राज्य बने : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने प्रदेश के विश्वविद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए कुलगुरुओं को व्यक्तिगत रुचि लेकर शैक्षिक उत्कृष्टता के लिए कार्य करने का आह्वान किया है। उन्होंने विश्वविद्यालयों में नामांकन के बाद विद्यार्थियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने, इस हेतु अच्छे ढंग से पढ़ाने, रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रमों से उन्हें जोड़ने आदि के लिए भी कार्य करने पर जोर दिया। उन्होंने राजस्थान को उच्च शिक्षा में देश का अग्रणी राज्य बनाने के लिए कार्य करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जिन शिक्षण संस्थानों में सुधार नहीं होगा, उनके खिलाफ भी कड़े कदम उठाए जाएंगे।

राज्यपाल बागड़े ने विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और नई शिक्षा नीति के कार्यान्वयन के सम्बंध में मंगलवार को राजभवन में आयोजित समीक्षा बैठक में ये निर्देश दिए। उन्होंने विश्वविद्यालयों में नई शिक्षा नीति लागू करने, विश्वविद्यालयों में नैक एक्रिडिएशन की कार्यवाही पूर्ण करने, वहां उपलब्ध लैब, पुस्तकालय, खेल मैदानों और छात्रावास के बारे में भी विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सभी विश्वविद्यालयों में एक समान प्रश्नपत्र और पाठ्यक्रम लागू किए जाने की व्यावहारिकता के बारे में भी सुझाव लिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गांवों को पिपलांत्री पैटर्न पर विकसित किया जाए। वहां पर अच्छे फलदार और छायादार पौधे लगाने तथा उन्हें विकसित करने व प्राकृतिक खेती के लिए लोगों को प्रोत्साहित कर कार्य किया जाए।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों में शोध के अंतर्गत मौलिक दृष्टि रखे जाने पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में पेंशन, वेतनमान आदि के लिए भी राज्य सरकार स्तर पर संवाद कर सकारात्मक प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने निजी और राज्य वित्त पोषित विश्वविद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण अध्ययन करवाने और रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण के लिए निरंतर कार्य करने की आवश्यकता जताई।

उन्होंने कहा कि यह हमारा राष्ट्रीय दायित्व है कि हम विद्यार्थियों को देश का सुयोग्य नागरिक बनाएं। बैठक में विश्वविद्यालयों में कुलगुरुओं के कार्यकाल की अवधि तीन से पांच वर्ष किए जाने संबंधित सुझावों के साथ बैठक में सभी विश्वविद्यालयों में प्रो वाइस चांसलर बनाने, वहां पर भविष्य के प्रशासनिक अधिकारी तैयार करने, नवाचारो के आलोक में भारतीय ज्ञान परम्परा के अंतर्गत भारत विद्या अनुसंधान केन्द्र शुरू किए जाने आदि पर भी चर्चा हुई।

अतिरिक्त मुख्य सचिव कुलदीप रांका ने प्रदेश में विश्वविद्यालयों के लिए कॉमन भर्ती बोर्ड, डिजिटल कनेक्टिविटी और रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रमों के लिए विशेष प्रयास किए जाने के सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय जो नवाचार करें, उसे विश्वविद्यालय पोर्टल पर डाला जाए। उन्होंने राज्य सरकार से जुड़े विश्वविद्यालयी मुद्दों के जल्द निस्तारण का भी विश्वास दिलाया। राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वी ने विभिन्न विश्वविद्यालयों से जुड़े विषयों और संबंधित कार्यों के बारे में विस्तार से अवगत कराया। विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलगुरुओं ने उच्च शिक्षा में नवाचार अपनाते हुए राज्य को उच्च शिक्षा में श्रेष्ठतम बनाए जाने से संबंधित सुझाव दिए। राज्यपाल बागड़े ने बैठक के बाद राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के न्यूज लेटर का लोकार्पण किया। उन्होंने जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रो. रोशन लाल रैना द्वारा लिखी पुस्तक का भी विमोचन किया।

शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण के खिलाफ मामला दर्ज

भरतपुर। राजस्थान में भरतपुर के मथुरा गेट थाने में मंगलवार को पुलिस ने अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एसीजेएम) संख्या-2 के आदेश पर अभिनेता शाहरुख खान, अभिनेत्री दीपिका पादुकोण सहित छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि यह मामला हुंडई कंपनी की एक कार के विज्ञापन में उपभोक्ताओं को कथित तौर पर कार निर्माण के दौरान कमियों के बारे में जानकारी नहीं देने से जुड़ा है। इस सम्बन्ध में भरतपुर के कीर्ति सिंह की ओर से यह इस्तगासा दाखिल किया गया था। इस्तगासे में आरोप लगाया गया है कि कंपनी के अधिकारियों और कार के ब्रांड एंबेसडर शाहरुख खान एवं दीपिका पादुकोण ने उपभोक्ताओं को गुमराह करके कार बेचने में भूमिका निभायी। न्यायालय के आदेश पर मथुरा गेट पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश

जयपुर। राजस्थान में मानसून की बारिश का सिलसिला जारी है, जहां बीते 24 घंटे में अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में बारिश का दौर फिलहाल जारी रहेगा। आईएमडी के जयपुर केंद्र अनुसार, मंगलवार सुबह साढ़े आठ बजे तक पिछले 24 घंटे की अवधि में राज्य के अधिकांश हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हुई, जबकि कुछ स्थानों पर भारी बारिश भी दर्ज की गई। सर्वाधिक 80 मिलीमीटर बारिश देवगढ़ (राजसमंद) में हुई। मौसम विभाग के अनुसार, अगले दो-तीन दिन तक राज्य के कुछ हिस्सों में भारी से अति भारी बारिश का सिलसिला बना रह सकता है। आईएमडी ने मंगलवार के लिए जालौर, उदयपुर और सिरोही जिलों में अति भारी बारिश को लेकर 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया गया है। वहीं अलवर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, झुंझुनू, राजसमंद, बाड़मेर, बीकानेर और पाली जिलों में भारी बारिश की संभावना जताई गई है।

राजस्थान में किसान यूरिया एवं डीएपी खाद की कमी से परेशान

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की डबल इंजन सरकार पर पूरी तरह फेल हो जाने का आरोप लगाते कहा है कि पूरे प्रदेश के किसान यूरिया एवं डीएपी खाद की कमी से परेशान हैं लेकिन सरकार का ध्यान इस ओर बिल्कुल नहीं है। गहलोत ने मंगलवार को अपने बयान में यह आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के गृह जिले भरतपुर में आठ-आठ घंटे तक किसान लाइन में लग रहे हैं पर यूरिया नहीं मिल रहा है। बाकी जिलों की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जो भाजपा किसानों को आवश्यकता के समय बिजली, पानी, उर्वरक नहीं दे सकती है, वो चुनाव के समय किसान हितैषी होने का ढोंग करती है।

प्रदेश में विलायती बबूल का प्रभावी उन्मूलन आवश्यक : मदन दिलावर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने कहा है कि विलायती बबूल (प्रोसोपिस जूलीफ्लोरा) को जड़ सहित हटाने के लिए अध्ययन कर आवश्यक दिशा निर्देश जारी करें और इसके उन्मूलन के संबंध में ऐसे विकल्पों को तलाश करें जिससे इस दिशा में सेफ जोन में काम किया जा सके। दिलावर मंगलवार को पंचायती राज सभागार में राजस्थान में विलायती बबूल उन्मूलन के संबंध में वन विभाग, ग्रामीण विकास एवं अन्य संस्था प्रतिनिधियों के साथ आयोजित बैठक में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि विलायती बबूल के उन्मूलन के लिए क्षेत्र चिन्हित कर चरणबद्ध रूप से काम किया जाए।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य केवल विलायती बबूल को काटना नहीं बल्कि उनकी जड़ों को पूरी तरह से खत्म करना है ताकि यह दोबारा न उगे। उन्होंने कहा कि आज हमारे सामने विलायती बबूल खतरा साबित हो रहा है।

प्रदेश में बहुतायत में उग आया विलायती बबूल अब अपने आसपास किसी अन्य वनस्पति को पनपने नहीं दे रहा है। इसलिए इसका प्रभावी उन्मूलन आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि इस पेड़ के कारण खेती की मिट्टी अनुपजाऊ बन जाती है. विलायती बबूल ने चारागाह क्षेत्र को भी नष्ट कर दिया है। इस पेड़ के कारण किसानों को पशु चरण की बड़ी समस्या से गुजरना है पड़ता है। इसके अलावा अगर एक पौधा विलायती बबूल का उग जाता है तो उसके आसपास बहुत सारे पौधे उगते हैं जो अन्य वनस्पति को विकसित नहीं होने देते हैं। उन्होंने विलायती बबूल के उन्मूलन के लिए वर्तमान में उपलब्ध वैधानिक प्रावधानों और नीतियों पर चर्चा की और कहा कि इन विलायती बबूल को हटाने का सरकार अपने स्तर पर प्रयास कर रही है। कुछ अड़चनें है उसे दूर कर इनको भी निकालने की कोशिश करेंगे। बैठक में इससे संबंधित उत्पादों ईंधन, चारकोल, पशु आहार आदि के बारे में चर्चा की गई।

महेश जोशी की जमानत याचिका खारिज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय ने पिछले चार महीने से जेल में बंद पूर्व मंत्री महेश जोशी की जमानत याचिका मंगलवार को खारिज कर दी। न्यायाधीश प्रवीर भटनागर की अदालत ने दोनों पक्षों की बहस पूरी होने के बाद आठ अगस्त को फैसला सुरक्षित रख लिया था। जल जीवन मिशन घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने महेश जोशी को 24 अप्रैल को गिरफ्तार किया था। उसके बाद से ही वह जेल में है। ईडी मामलों के विशेष न्यायालय से जमानत खारिज होने के बाद उन्होंने उच्च न्यायालय में जमानत के लिये आवेदन किया था।

इससे पहले महेश जोशी की ओर से बहस करते हुए वरिष्ठ वकील विवेकराज बाजवा ने कहा कि याचिकाकर्ता को इस मामले में फंसाया गया है। एसीबी में दर्ज मूल प्राथमिकी में याचिकाकर्ता का नाम नहीं है। याचिकाकर्ता को एक वर्ष पहले नोटिस दिया गया। इसके बाद बिना कोई परिस्थिति बदले उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

जमानत का विरोध करते हुए ईडी की ओर से वकील अक्षय भारद्वाज ने जमानत का विरोध करते हुए अदालत को बताया कि इस मामले में एसीबी की ओर से दर्ज अन्य प्राथमिकी में याचिकाकर्ता की भूमिका को बताया गया है। वहीं याचिकाकर्ता के बेटे की फर्म में 50 लाख रुपए का लेन-देन किया गया है।

याचिकाकर्ता की ओर से इस राशि को लौटाना भी बताया जा रहा है तो राशि लौटाने से अपराध की गंभीरता कम नहीं होती है। ईडी के वकील ने जमानत याचिका को खारिज करने का अनुरोध करते हुए कहा कि आरोपी को जमानत दी गई तो वह गवाहों को प्रभावित कर सकता है।

पति की दीर्घायु की कामना के साथ मनाई जा रही है हरितालिका तीज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भीलवाड़ा। राजस्थान में भीलवाड़ा जिले में हरितालिका तीज भाद्रपद महीने के शुक्ल पक्ष की तृतीया यानी मंगलवार को मनाई जा रही है। हरितालिका तीज को तीजा के नाम से भी जाना जाता है। इसे सुहाग का पर्व भी कहते हैं। पति की लंबी उम्र और स्वास्थ्य के लिए सुहागिन निर्जल और निराहार रहकर घरों और मंदिरों में पूजा करके पति की लंबी आयु की कामना को लेकर इस पर्व को मना रही हे। आज भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा की जा रही है। ज्योतिषी विक्रम सोनी ने बताया कि 24 घंटे सुहागिन महिलाओ ने निर्जला व्रत रखा हैं। कहा जाता है कि हरितालिका तीज के दिन भगवान शिव और माता पार्वती का पुनर्मिलन हुआ था। माता पार्वती ने भगवान शिव को पति के रूप में पाने के लिए कठोर तप किया था। इस तप को देखकर भगवान शिव ने उन्हें दर्शन दिए और माता पार्वती को अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार किया। तभी से मनचाहे पति की इच्छा और लंबी आयु के लिए हरितालिका तीज का व्रत रखा जाता है।

हरितालिका तीज का धार्मिक महत्व भी बहुत गहरा है। मान्यता है कि इस दिन माता पार्वती ने भगवान शिव को पति के रूप में पाने के लिए कठोर तप किया था। तप देखकर भगवान शिव ने उन्हें दर्शन दिए और पत्नी के रूप में स्वीकार किया। तभी से यह व्रत पति की लंबी आयु और सुख-समृद्धि के लिए रखा जाता है। पूजा में शामिल महिलाओं ने बताया कि यह पर्व केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और परंपराओं का प्रतीक भी है। कविता शर्मा, जो पहली बार तीज व्रत रख रही हैं, ने कहा, यह पर्व अखंड सौभाग्य और पति के प्रति समर्पण का प्रतीक है।

नवीनतम प्रौद्योगिकी के माध्यम से अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाएं जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आईटी : राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। 'राजकिसान साथी' परियोजना को प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सीआईपीएस इनोवेशन अवार्ड मिलने के बाद प्रोजेक्ट की टीम ने सूचना प्रौद्योगिकी और संचार मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ से शिष्टाचार भेंट की। कर्नल राठौड़ ने सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग की टीम को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त करने पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी और विभाग को नवीनतम प्रौद्योगिकी के माध्यम से अंतिम व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने में सहायक बनने के निर्देश दिए। कर्नल राठौड़ ने इस उपलब्धि पर टीम को बधाई देते हुए निर्देश दिए कि भविष्य में भी सभी एप्लिकेशंस में नवीनतम तकनीकों को सम्मिलित करते हुए राज्य को आईटी के क्षेत्र में देश का मॉडल राज्य बनाया जाए। उन्होंने कहा कि 'राजकिसान साथी' परियोजना जैसे नवाचारों के माध्यम से न केवल किसानों को सशक्त किया जाए, बल्कि अन्य क्षेत्रों में भी प्रौद्योगिकी का उपयोग कर जनकल्याणकारी योजनाओं को और अधिक प्रभावी बनाया जाए। उन्होंने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवाचार और डिजिटल समावेशन को बढ़ावा देकर राजस्थान को देश में अग्रणी बनाना हमारा लक्ष्य है।

आईटी मंत्री कर्नल राठौड़ ने विभाग को निर्देश दिए कि आमजन तक योजनाओं की पहुंच को सरल, पारदर्शी और त्वरित करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ब्लॉकचेन और डेटा एनालिटिक्स जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग और अधिक व्यापक स्तर पर किया जाए। उन्होंने कहा कि 'राजकिसान साथी' परियोजना का यह पुरस्कार न केवल विभाग की मेहनत और समर्पण का प्रतीक है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि तकनीक के सही उपयोग से समाज के हर वर्ग तक विकास का लाभ पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने अधिकारियों से आह्वान किया कि वे इस उपलब्धि को प्रेरणा के रूप में लें और भविष्य में और अधिक नवाचारों के साथ राज्य के विकास में योगदान दें। इस अवसर पर 'राजकिसान साथी' की प्रभारी अधिकारी एवं सिस्टम एनालिस्ट (संयुक्त निदेशक) श्रीमती मोनिका चौधरी ने परियोजना की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 'राजकिसान साथी' एक एकीकृत ऑनलाइन सिंगल विंडो पोर्टल है, जो 'कृषि को सरल बनाने' की अवधारणा को साकार कर रहा है। राजस्थान इस तरह का समन्वित ढांचा विकसित करने वाला देश का पहला राज्य है। उन्होंने जानकारी दी कि यह पोर्टल कृषि और संबद्ध विभागों के 120 से अधिक मॉड्यूल्स को पूरी तरह डिजिटल, कागज रहित और पारदर्शी प्रणाली के माध्यम से उपलब्ध कराता है।

इस प्रणाली ने 1320 टन कागज की बचत, डीबीटी भुगतानों में 33 गुना वृद्धि, आवेदनों की रियल-टाइम ट्रैकिंग और डिजिटलीकरण के जरिए धोखाधड़ी में कमी जैसे उल्लेखनीय नतीजे दिए हैं। जियो-टैग्ड सत्यापन, एआई/एमएल आधारित फसल रोग प्रबंधन, ऑनलाइन लाइसेंसिंग और किसानों तक बीज मिनीकिट की डिलीवरी जैसे नवाचारों ने कृषि सेवा वितरण में दक्षता और पारदर्शिता को बढ़ाया है।

सनातन संस्कृति में धार्मिक मेले हमारी आस्था के प्रतीक : संजय शर्मा

जयपुर। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने मंगलवार को अलवर जिले में चल रहे पाण्डुपोल मेले में भाग लिया। उन्होंने मोती डूंगरी स्थित हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली, सुख-समृद्धि व अच्छी वर्षा की मंगलकामना की तथा थानागाजी के ग्राम निमला में डूंगरी वाले हनुमान जी महाराज के मेला कार्यक्रम में शिरकत की।

वन राज्यमंत्री ने जिलेवासियों को पाण्डुपोल हनुमान जी महाराज के मेले की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सनातन संस्कृति में धार्मिक मेले हमारी आस्था के प्रतीक हैं, जो समरता, भाईचारे और एकता की भावना को प्रबल करते हैं।

उन्होंने कहा कि अलवर में पर्यटन की संभावनाओं को मध्यनजर रखते हुए केंद्र व राज्य सरकार जिले के पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों के उन्नयन एवं विकास हेतु प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश का न केवल चहुंमुखी विकास हो रहा है बल्कि हर वर्ग का ध्यान रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा बजट में मंदिरों में सेवा करने वाले पुजारियों की भोग व सेवा राशि में वृद्धि की है।

सीमाओं पर सोची समझी साजिश के तहत जनसांख्यिकीय परिवर्तन हो रहा : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में जनसांख्यिकीय परिवर्तन एक सोची समझी साजिश के तहत हो रहा है और वे देश और इसकी सीमाओं की सुरक्षा को सीधे प्रभावित करते हैं।

शाह ने सीमावर्ती जिलों के जिलाधिकारियों से अवैध धार्मिक अतिक्रमण को हटाने के लिए उचित कार्रवाई करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सीमाओं से कम से कम 30 किलोमीटर के दायरे में सभी अवैध अतिक्रमण हटाए जाने चाहिए। उन्होंने समुद्री और स्थलीय सीमाओं पर कई अतिक्रमण को हटाने में सराहनीय कार्य करने के लिए गुजरात सरकार की प्रशंसा की। यहां दो दिवसीय 'वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम' (वीवीपी) कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए गृह मंत्री ने कहा कि वीवीपी तीन प्रमुख बिंदुओं पर आधारित है -- सीमावर्ती गांवों से पलायन को रोकना, यह सुनिश्चित करना कि सीमावर्ती गांवों के प्रत्येक नागरिक को केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का 100 प्रतिशत लाभ मिले और वीवीपी के तहत गांवों को सीमा और राष्ट्रीय सुरक्षा को पुख्ता करने के लिए मजबूत उपकरण के रूप में विकसित करना। शाह ने जिलाधिकारियों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि चुनौतीपूर्ण भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद नागरिक अपने गांवों को न छोड़ें, पलायन को रोका जाए और गांव की आबादी भी बढ़े। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से कहा था कि जनसांख्यिकीय परिवर्तन चिंता का विषय है। मंत्री ने कहा, वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम में शामिल जिलों के कलेक्टरों को इस मुद्दे को गंभीरता से और बारीकी से ध्यान देकर समाधान करने की आवश्यकता है। सीमावर्ती क्षेत्रों में जनसांख्यिकीय परिवर्तन देश और उसकी सीमाओं की सुरक्षा को सीधे प्रभावित करते हैं। शाह ने कहा कि यह नहीं माना जाना चाहिए कि ऐसा भौगोलिक परिस्थितियों के कारण हो रहा है, बल्कि, यह एक सोची समझी साजिश के तहत हो रहा है। उन्होंने राज्यों के मुख्य सचिवों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) से भी इस मुद्दे पर ध्यान देने को कहा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वीवीपी शुरू करने का एक मकसद यह भी था कि सीएपीएफ (केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों) और सेना को होने वाली आपूर्ति का स्रोत स्थानीय स्तर पर हो। गृह मंत्री ने कार्यक्रम में वीवीपी 'लोगो' का अनावरण करते हुए कहा कि अरुणाचल प्रदेश में इस कार्यक्रम के क्रियान्वयन के बाद कई सीमावर्ती गांवों की जनसंख्या बढ़ गई है। उन्होंने कहा, यह हमारे देश के सभी सीमावर्ती गांवों के लिए एक संदेश है कि इन गांवों में लौटने की प्रवृत्ति सही दिशा में बढ़ रही है। शाह ने कहा कि जब प्रधानमंत्री मोदी ने वीवीपी की अवधारणा प्रस्तुत की तो यह निर्णय लिया गया कि इसे चरणबद्ध तरीके से क्रियान्वित किया जाएगा।

विधायक शलभ मणि त्रिपाठी को जान से मारने की धमकी

देवरिया (उप्र)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्थानीय विधायक शलभ मणि त्रिपाठी को देवरिया-गोरखपुर मार्ग पर एक रेलवे ओवरब्रिज के नीचे एक 'मजार' पर कथित अवैध अतिक्रमण का मुद्दा उठाने पर जान से मारने की धमकी मिली हैं। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी।

देवरिया सदर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) दुर्गेश कुमार सिंह ने पीटीआई-भाषा को बताया, मामला हमारे संज्ञान में आया है और जाँच चल रही है। विधायक के समर्थकों ने दावा किया कि ईमेल और सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए भेजी गई धमकियों में उन्हें कई गोली मारने की धमकी दी गई है और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी इसी तरह की धमकी दी गई है। त्रिपाठी ने 25 जून को मुख्यमंत्री को दिए एक ज्ञापन में आरोप लगाया था कि मजार का अवैध रूप से बंजर भूमि, एक नाले और राष्ट्रीय राजमार्ग के एक हिस्से पर विस्तार किया गया है। उनकी शिकायत पर कार्रवाई करते हुए प्रमुख सचिव (गृह) संजय प्रसाद ने जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को भूमि अभिलेखों का सत्यापन करने, अवैध पाए जाने पर अतिक्रमण हटाने और एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था। त्रिपाठी ने प्रश्न उठाया था कि किसी स्वीकृत नक्शे के बिना रेलवे ओवरब्रिज के बगल में निर्माण की अनुमति कैसे दी गई?

युवा कामगारों के लिए न्यूनतम वेतन सुनिश्चित किया जाएगा : योगी

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को राज्य में काम कर रहे हर युवा को न्यूनतम वेतन सुनिश्चित करने का ऐलान करते कहा कि इससे श्रमिकों के शोषण की कोई गुंजाइश नहीं रहेगी।

मुख्यमंत्री ने लखनऊ में तीन दिवसीय 'रोजगार महाकुंभ 2025' का उद्घाटन करने के बाद अपने सम्बोधन में कहा कि कंपनियों को अपने कर्मचारियों को उचित वेतन देना होगा। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि यह पहल सम्मानजनक रोजगार, नौकरी की सुरक्षा और श्रमिकों के अधिकारों की पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित करेगी। आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का पहला ऐसा राज्य बनने जा रहा है जो हर कामगार युवा को न्यूनतम वेतन की गारंटी देगा। युवाओं को अपार ऊर्जा का भंडार बताते हुए उन्होंने कहा कि राज्य की सबसे बड़ी ताकत इसकी विशाल युवा आबादी में निहित है। उत्तर प्रदेश की प्रतिभा की अब न केवल पूरे भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर भी मांग है। एक समय नौकरियों के लिए बड़े पैमाने पर पलायन वाला यह राज्य आज अपनी सीमाओं के भीतर ही रोजगार के प्रचुर अवसर पैदा कर रहा है। श्रम सुधारों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उद्योगों के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करते हुए श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए श्रम कानूनों का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। रोजगार महाकुंभ को युवाओं और उद्योग के बीच एक सेतु बताते हुए, उन्होंने कहा, यह आयोजन केवल रोजगार प्रदान करने के बारे में नहीं है, बल्कि प्रशिक्षण और पाठ्यक्रमों को नई तकनीकी मांगों के अनुरूप बनाने के बारे में भी है।

दुर्गा पूजा के दौरान धुबरी में 'देखते ही गोली मारने' का आदेश जारी रहेगा : असम के मुख्यमंत्री

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को कहा कि धुबरी जिले में सांप्रदायिक हिंसा के बाद 13 जून से लागू रात में 'देखते ही गोली मारने' के आदेश दुर्गा पूजा के दौरान भी जारी रहेंगे। शर्मा ने कहा कि धुबरी में सनातन धर्म के लोग अल्पसंख्यक हैं और कट्टरपंथियों से उनकी रक्षा सरकार की प्राथमिकता है। कोकराझार में एक कार्यक्रम के इतर शर्मा ने कहा, देखते ही गोली मारने के आदेश वापस नहीं लिए गए हैं और जारी रहेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि धुबरी में कोई अशांति या हिंसा की घटना नहीं हुई है, लेकिन दुर्गा पूजा के दौरान देखते ही गोली मारने के आदेश जारी रहेंगे। इस वर्ष यह उत्सव 28 सितंबर से दो अक्टूबर तक मनाया जाएगा। उन्होंने कहा, धुबरी में अशांति फैलाने की कोशिश करने वाले किसी भी व्यक्ति को गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

मुख्यमंत्री ने 13 जून को धुबरी का दौरा किया था और घोषणा की थी कि बांग्लादेश की सीमा से लगे जिले में रात में देखते ही गोली मारने के आदेश लागू होंगे, क्योंकि एक सांप्रदायिक समूह गड़बड़ी पैदा करने की कोशिश कर रहा है, जिसे सरकार बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने 10 दिन बाद फिर से जिले का दौरा किया और कहा कि 13 जून से अब तक 150 से अधिक असामाजिक तत्वों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें 11 राज्य के बाहर के हैं। बकरीद के अगले दिन जिला मुख्यालय में हनुमान मंदिर के सामने गाय की खोपड़ी मिली। सांप्रदायिक अशांति के बीच हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों के सदस्यों ने शांति और सद्भाव की अपील की।

लखनऊ में अपने स्कूल पहुंचे अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला, बोले-'घर लौट आया हूं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के ऐतिहासिक मिशन से हाल में लौटे ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला मंगलवार को लखनऊ स्थित अपने पुराने स्कूल पहुंचे जहां विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उनका जोरदार स्वागत किया।

बूंदाबांदी के बीच, शुक्ला अपनी पत्नी कामना और बेटे कियाश के साथ अलीगंज स्थित सिटी मॉन्टेसरी स्कूल के गलियारों से गुजरे और परिसर में बिताए छात्र जीवन के पलों को याद करते हुए उन्होंने कहा, वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है। ग्रुप कैप्टन शुक्ला ने छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों से बातचीत की और स्कूल के दिनों की यादें साझा कीं। उन्होंने कहा, जिन शिक्षकों के सामने नाचने से मैं कभी डरता था, आज उन्हें देखकर बहुत अच्छा लग रहा है। समय सचमुच बदल गया है। उनकी इस बात पर शिक्षक मुस्कुरा दिए और तालियों की गड़गड़ाहट गूंज उठी। शुक्ला ने संवाददाताओं से कहा, यह सब बहुत जाना-पहचाना सा लगता है। ये वही कक्षाएं हैं जहां मैंने कभी पढ़ाई की थी। यह एहसास बहुत खास है। ऐसा लग रहा है जैसे घर लौट आया हूं। शुभांशु शुक्ला, राकेश शर्मा के बाद अंतरिक्ष जाने वाले दूसरे भारतीय और अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन तक पहुंचने वाले पहले भारतीय नागरिक बने हैं। उन्होंने 'एक्सिओम-चार' मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर 18 दिनों का अभूतपूर्व अंतरिक्ष मिशन सफलतापूर्वक पूरा किया।

शुभेंदु अधिकारी ने तृणमूल कांग्रेस पर भ्रष्टाचार के सहारे फूलने-फलने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने मंगलवार को सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर भ्रष्टाचार के सहारे फूलने-फलने का आरोप लगाया और कहा कि करोड़ों रुपए के स्कूल भर्ती घोटाले में ''कट मनी'' के तार सीधे उसके शीर्ष नेताओं से जुड़े हुए हैं।

भाजपा नेता का यह आरोप एसएससी (स्कूल सेवा आयोग) भर्ती घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा तृणमूल कांग्रेस विधायक जीवन कृष्ण साहा की गिरफ्तारी के एक दिन बाद आया है। साहा को इस मामले में 2023 में सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। तेरह महीने जेल में बिताने के बाद वह अप्रैल में जमानत पर रिहा हुए थे। अधिकारी ने संवाददाता सम्मेलन में, तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ साहा की एक तस्वीर दिखाते हुए दावा किया कि यह 12 अगस्त को खींची गई थी। भाजपा नेता ने कहा, यह कोई पुरानी तस्वीर नहीं है। समझदार के लिए इशारा काफी है। इससे साबित होता है कि घोटाले का पैसा कहां गया। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि एक अन्य आरोपी सुजय कृष्ण भद्र उर्फ 'कालीघाटेर काकू' ने भी स्वीकार किया है कि पैसा शीर्ष नेताओं को भेजा गया था। अधिकारी ने आरोप लगाया कि साहा ने अन्य विधायकों के साथ मिलकर नौकरी के इच्छुक लोगों की सूची तैयार की, बेरोजगार युवाओं को अपनी संपत्ति, आभूषण या यहां तक कि पशुओं को बेचने के लिए मजबूर किया और फिर उससे प्राप्त धन को तृणमूल के शीर्ष नेताओं को दिया।

अधिकारी ने आरोप लगाया, पैसे एकत्र करने वाले प्रत्येक व्यक्ति ने एक या दो लाख रुपए अपने पास रख लिए और बाकी कालीघाट भेज दिए गए। यह केवल जीवन कृष्ण या पार्थ चटर्जी की बात नहीं है, पूरी टीएमसी चोरों की पार्टी है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनके भतीजे एवं तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी कोलकाता के कालीघाट इलाके के निवासी हैं।

प्रधानमंत्री ने 'भैंस चुराने' वाला आरोप लगाया था, लेकिन उन्होंने वोट ही चुरा लिए: प्रियंका गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सुपौल/मधुबनी (बिहार)/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा मंगलवार को अपने भाई और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के साथ 'वोटर अधिकार यात्रा' में शामिल हुईं और आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा चुनाव में मुख्य विपक्षी दल पर ''भैंस चुराने'' का आरोप लगाया था, लेकिन अब उन्होंने तो वोट ही चुरा लिए। उन्होंने यह दावा भी किया कि जनता का विश्वास खो चुकी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) देश भर में 'वोट चोरी' की साजिशें रच रही है।

कांग्रेस महासचिव ने यह भी कहा कि गरीब जनता का एक भी वोट चोरी नहीं होने दिया जाएगा। केरल के वायनाड से लोकसभा सदस्य प्रियंका गांधी सुपौल से 'वोटर अधिकार यात्रा' में शामिल हुईं। प्रियंका गांधी अपने भाई राहुल गांधी, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव और विपक्षी 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस) गठबंधन के कुछ अन्य नेताओं के साथ एक खुली एसयूवी में सवार थीं। कई स्थानों पर लोग यात्रा का स्वागत करने के लिए कतारबद्ध खड़े थे। राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और अन्य नेताओं ने हाथ हिलाकर उत्साही भीड़ का अभिवादन किया।

प्रियंका गांधी ने मधुबनी में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, मोदी जी ने लोकसभा चुनाव के समय कहा था कि कांग्रेस वाले भैंस चुरा लेंगे...भैंस तो छोड़ो, उन्होंने आपके वोट चुरा लिए। उन्होंने कहा कि वोट लोकतंत्र का सबसे कीमती अधिकार है। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि इन्होंने रोजगार चोरी किए हैं। उन्होंने कहा, आपके साथ हर स्तर पर चोरी हो रही है। अगर वोट चोरी हो गया तो आपकी पहचान नहीं रह जाएगी। यह आपकी नागरिकता का आधार है। प्रियंका गांधी ने कहा, आप सावधान हो जाइए। अपने अधिकार की चोरी मत होने दीजिए। उन्होंने इस सभा में 'वोट चोर, गद्दी छोड़' का नारा लगाया। इससे पहले, गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, जनता का विश्वास खो चुकी भाजपा देश भर में वोट चोरी की साजिशें रच रही है।

प्रधानमंत्री से कभी उम्मीद नहीं थी कि वे हमें चोर कहेंगे : ममता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बर्धमान (पश्चिम बंगाल)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर ताजा हमला बोलते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को कहा कि उन्हें उनसे (मोदी से) कभी यह उम्मीद नहीं थी कि वे उनकी कुर्सी का अनादर करने के साथ-साथ राज्य के लोगों को 'चोर' बताकर पूरे प्रांत का अपमान करेंगे। उन्होंने यह बयान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता (मोदी) की हालिया टिप्पणियों के संदर्भ में दिया।

पूर्व बर्धमान जिले के बर्धमान शहर में लोगों के बीच सामाजिक कल्याण योजनाओं का लाभ वितरित करने के लिए आयोजित एक सरकारी कार्यक्रम में बनर्जी ने मोदी की टिप्पणी को पश्चिम बंगाल के लोगों का 'अपमान' बताया और केंद्रीय धन के आवंटन पर रोक लगाने के लिए उनकी कड़ी आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे राज्य के खजाने पर 'भारी बोझ' पड़ा है। मुख्यमंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री को मेरी कुर्सी का उतना ही सम्मान करना चाहिए जितना मैं उनकी कुर्सी का करती हूं। मुझे कभी उम्मीद नहीं थी कि वे पश्चिम बंगाल के लोगों को 'चोर' कहेंगे। बनर्जी ने दावा किया, सच तो यह है कि उन्होंने उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और बिहार की तथाकथित 'डबल इंजन' वाली भाजपा सरकारों के कामकाज पर आंखें मूंद ली हैं, जहां भ्रष्टाचार अपने चरम पर है। बनर्जी ने आरोप लगाया कि हर बार जब चुनाव आता है तो मोदी प्रवासी पक्षी की तरह पश्चिम बंगाल आते हैं। बनर्जी ने दावा किया कि राज्य प्रशासन ने कल्याणकारी योजनाओं के लिए केंद्रीय धन के उपयोग के बारे में केंद्र सरकार के सभी प्रश्नों का संतोषजनक उत्तर दे दिया है।

झारखंड विधानसभा में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के खिलाफ प्रस्ताव पारित

रांची/भाषा। झारखंड विधानसभा में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विरोध में प्रस्ताव पेश किया गया। सत्तारूढ़ गठबंधन के सदस्यों द्वारा इस मुद्दे पर प्रदर्शन किए जाने के बीच संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने यह प्रस्ताव पेश किया। सदस्यों के प्रदर्शन के कारण सदन की कार्यवाही दो बार स्थगित करनी पड़ी। किशोर ने कहा, सदन की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए और सदन के नेता, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ परामर्श के बाद मैं 'इंडिया' गठबंधन की ओर से निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के खिलाफ एक प्रस्ताव पेश कर रहा हूं। उन्होंने आरोप लगाया कि एसआईआर का उद्देश्य केंद्र में सत्तारूढ़ सरकार को सीधे तौर पर लाभ पहुंचाना है।

भाजपा के लोग सिर्फ 'वोट चोर' नहीं, बल्कि 'आरक्षण चोर' भी हैं: तेजस्वी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मधुबनी (बिहार)/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने मंगलवार को आरोप लगाया कि भाजपा के लोग सिर्फ ''वोट चोर'' ही नहीं, बल्कि ''आरक्षण चोर'' भी हैं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ 'वोटर अधिकार यात्रा' निकाल रहे यादव ने यह दावा भी किया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से बिहार संभल नहीं रहा है तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह दिल्ली से बिहार की सरकार चला रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने मधुबनी में सभा में कहा, भाजपा वाले वोट चोर तो हैं ही, ये आरक्षण चोर भी हैं। उन्होंने नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा, हमारे चाचा जी पलट गए, हाईजैक' हो गए। उनसे बिहार संभलने वाला नहीं है। दिल्ली से मोदी जी, अमित शाह जी बिहार चला रहे हैं। हमें उनकी (नीतीश) फिक्र होती है, लेकिन वह अब बिहार चलाने योग्य नहीं रह गए हैं। यादव का कहना था बिहार में भाजपा और आरएसएस सरकार चला रहे हैं। उन्होंने लोगों का आह्वान किया, आप लोगों को तय करना है। नेहरू जी, बीपी मंडल, कर्पूरी जी, अंबेडकर जी की धारा एक तरफ है। दूसरी तरफ, गोलवलकर और गोडसे की धारा है। आप लोगों को तय करना है कि कैसी सरकार चाहिए।

सिंधू और प्रणय की विश्व चैंपियनशिप में जीत से शुरुआत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पेरिस/भाषा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और पूर्व चैंपियन पी वी सिंधू और एचएस प्रणय मंगलवार को यहां बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में सीधे गेम में जीत के साथ क्रमशः महिला और पुरुष एकल के दूसरे दौर में पहुंच गए।

विश्व की 15वें नंबर की खिलाड़ी सिंधू शुरुआत में थोड़ी असहज नजर आई लेकिन धीरे-धीरे उन्होंने अपनी लय हासिल कर ली और अपने आक्रामक खेल का शानदार नजारा पेश करते हुए महिला एकल के अपने पहले दौर के मुकाबले में 69वीं रैंकिंग की बुल्गारिया की कालोयाना नलबांटोवा को 23-21, 21-6 से हराया। विश्व में 34वें नंबर के खिलाड़ी प्रणय ने 47 मिनट तक चले मुकाबले में फिनलैंड के विश्व में 47वें नंबर के खिलाड़ी जोकिम ओल्डॉर्फ को 21-18, 21-15 से हराया। सिंधू का अगला मुकाबला थाईलैंड की करुणपाथेवन लेटशाना से होगा, जबकि प्रणय का सामना दूसरे वरीय एंडर्स एंटोनसेन से हो सकता है। भारत की 30 वर्षीय खिलाड़ी सिंधू को शुरुआत में संघर्ष करना पड़ा और उन्होंने कुछ गलतियां की जिसके कारण एक समय वह 0-4 से पीछे चल रही थी। नलबांटोवा ने दबाव बनाए रखते हुए 9-5 की बढ़त बना ली थी और इंटरवल तक वह 11-7 से आगे थी। ब्रेक के बाद सिंधू ने अपनी लय पकड़ी और अपने पसंदीदा क्रॉस-कोर्ट विनर सहित कई स्मैश लगाकर स्कोर 12-12 से बराबर कर दिया। बुल्गारियाई खिलाड़ी की दो गलतियों ने सिंधू को 14-12 की बढ़त दिला दी, लेकिन दोनों खिलाड़ियों के बीच अंक की अदला-बदली के कारण बढ़त में उतार-चढ़ाव आता रहा। नलबांटोवा के पास 19-20 के स्कोर पर एक गेम प्वाइंट था, लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाईं। बुल्गारिया की खिलाड़ी को एक और गेम प्वाइंट मिला लेकिन वह इसे भुनाने में भी नाकाम रही। सिंधू ने इसके बाद पहले गेम प्वाइंट पर ही गेम अपने नाम कर दिया। सिंधू में दूसरे गेम में अच्छी शुरुआत की और जल्द ही 5-1 की बढ़त बना ली। इसके बाद नलबांटोवा ने अंतर को 5-6 कर दिया, लेकिन भारतीय खिलाड़ी इंटरवल तक छह अंक से आगे थी। इसके बाद यह मैच एकतरफा हो गया क्योंकि सिंधू ने अपनी बढ़त 17-5 कर ली। भारतीय खिलाड़ी ने इसके बाद 15 मैच प्वाइंट हासिल किए और दूसरे को भुनाकर मैच अपने नाम कर दिया।

प्रणय शुरुआत में थोड़ा पीछे हो गए, लेकिन जल्द ही उन्होंने अपनी लय हासिल कर ली और क्रॉस कोर्ट स्मैश से स्कोर 8-7 कर दिया। उन्होंने फोरहैंड क्रॉस से स्कोर 10-8 किया और फिर सीधे स्मैश से दो अंकों की बढ़त बना ली। ओल्डॉर्फ ने हालांकि अच्छी वापसी करके स्कोर 16-16 से बराबर कर दिया। फिनलैंड के खिलाड़ी की लगातार गलतियों ने भारतीय खिलाड़ी को तीन गेम प्वाइंट दिला दिए। प्रणय ने दूसरे गेम प्वाइंट पर पहला गेम अपने नाम किया।

यह मेरे लिए अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर लौटने का अवसर था, अच्छा महसूस कर रहा हूं: सूर्यकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अपनी हाल की चोट के बारे में खुलकर बात करते हुए कहा कि यह ब्रेक अगले महीने होने वाले एशिया कप से पहले अपने 'सर्वश्रेष्ठ स्तर' पर लौटने का एक मौका था। उन्हें चोट के कारण सर्जरी करानी पड़ी और छह हफ्ते के रिहैबिलिटेशन से गुजरना पड़ा।

चौंतीस साल के सूर्यकुमार ने जून में आईपीएल के अंत में पेट के दाहिने निचले हिस्से में समस्या का पता चलने के बाद म्यूनिख में स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी करवाई थी। इसके बाद उन्होंने बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया में हिस्सा लिया। सूर्यकुमार अब पूरी तरह से फिट हो गए हैं और नौ सितंबर से यूएई में शुरू होने वाले एशिया कप में टीम की अगुवाई करेंगे। बीसीसीआई द्वारा मंगलवार को पोस्ट किए गए एक वीडियो में सूर्यकुमार ने कहा, मैं अभी अच्छा महसूस कर रहा हूं। पांच-छह हफ्ते हो गए हैं। यह एक अच्छी प्रक्रिया है।

पिछले छह हफ्तों से अच्छी दिनचर्या है और उम्मीद है कि मैं बहुत अच्छा महसूस करूंगा। उन्होंने कहा, रिहैब के दौरान सबसे जरूरी बात यह है कि आपके आस-पास अच्छे लोग हों जो आपका अच्छी तरह से मार्गदर्शन करें और पिछले दो-तीन वर्षों में मैं जब भी मैं रिहैब में था तो मैंने यही किया। मैंने इसे अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर में वापसी करने के अवसर के रूप में देखा।

सुविचार

साहसी व्यक्ति वही है जो मुश्किलों से डरता नहीं, बल्कि उनका सामना करता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कैसे सुधरे गौवंश की हालत?

पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने गाय और भारतीय समाज के बारे में जो टिप्पणी की है, उस पर चिंतन करने की जरूरत है। न्यायालय ने वध के लिए गायों को ले जाने के आरोपी की अग्रिम जमानत खारिज कर सामाजिक आस्था का ध्यान रखा है। उसकी यह टिप्पणी उल्लेखनीय है कि 'गाय पूजनीय है और एक 'बड़ी आबादी वाले समूह' की आस्था को ठेस पहुंचाने वाले कृत्य शांति को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकते हैं।' न्यायालय ने माना है कि गाय हमारे देश की कृषि अर्थव्यवस्था का एक अभिन्न अंग है। प्राचीन काल में जिसके पास जितना गौधन होता था, वह उतना ही समृद्ध कहलाता था। भगवान श्रीकृष्ण का गौप्रेम तो प्रसिद्ध है। भारत में ज्यादातर लोग गौवंश का सम्मान करते हैं, लेकिन इस कड़वी हकीकत से इन्कार नहीं किया जा सकता कि आज देश में गौवंश की हालत ठीक नहीं है। गांव हो या शहर, हर कहीं बेसहारा गायें कचरे के ढेर में खाने की तलाश करती नजर आती हैं। जिस देश में गाय को माता कहा जाता है, वहां ऐसी हालत क्यों है? हाल के वर्षों में गौशालाएं खूब बनी हैं। लोग अमावस्या, मकर संक्रांति और अन्य अवसरों पर गौवंश को हरा चारा खिलाते हुए फोटो बहुत खींच रहे हैं। फिर भी गौवंश की हालत में बहुत सुधार लाने की गुंजाइश क्यों है? इसकी कई वजह हैं। गांवों में चार दशक पहले जिस घर में बछड़े का जन्म होता था, वहां बहुत खुशियां मनाई जाती थीं। वह बछड़ा बड़ा होकर बैल बनता और खेती में बहुत मददगार साबित होता था। अब बैल की जगह ट्रैक्टर ने ले ली है, इसलिए बछड़ों को आवारा छोड़ दिया जाता है। कई जगह ये बछड़े खेती को भारी नुकसान पहुंचाते हैं। उनके झुंड एक ही रात में फसलों को तहस-नहस कर देते हैं।

गाय पालना घाटे का सौदा होता जा रहा है। अक्सर लोग सोशल मीडिया पर गाय की महिमा वाली पोस्ट तो शेयर कर देते हैं, लेकिन वे गाय का दूध नहीं खरीदना चाहते। कुछ लोग खरीदते भी हैं तो उस समय, जब उन्हें किसी वैद्य ने इसके सेवन का परामर्श दिया हो। एक (पूर्व) गौपालक ने अपना अनुभव साझा करते हुए बताया कि उनके गांव में रहने वाले एक सज्जन अपने विद्यार्थियों को 'गौ शब्द के रूप' याद करवाते, गाय पर निबंध लिखवाते, उसके दिव्य गुणों पर आधारित श्लोक सुनाते थे, लेकिन गाय का दूध बहुत सस्ता लेते थे। वे यह तर्क देते हुए बाजार भाव से भी कम कीमत देते थे कि 'गाय के दूध में घी कम होता है!' पिछले एक दशक में चारे की कीमतें बहुत बढ़ गई हैं। गौधन के लिए पौष्टिक आहार, दवाइयां आदि सब महंगे हो गए हैं, जबकि दूध का भाव तुलनात्मक रूप से कम मिल रहा है। ऐसे में कोई व्यक्ति गाय क्यों पालेगा? हमें गौवंश को खेती के साथ मजबूती से जोड़ने की जरूरत है। विभिन्न अध्ययनों से यह साबित हो चुका है कि फसलों में रासायनिक खाद और जहरीले कीटनाशक डालने से न केवल धरती की उर्वरता पर बुरा असर पड़ रहा है, बल्कि लोगों को गंभीर बीमारियां हो रही हैं। वहीं, कई किसानों का यह अनुभव रहा है कि गोबर, गौमूत्र आदि से बनी प्राकृतिक खाद, कीटनाशकों से उपज में बढ़ोतरी हुई है। उस धरती की फसल का स्वाद बहुत अच्छा रहा है। जिस तरह गाय का दूध खरीदा जाता है, उसी तरह गौमूत्र खरीदने की व्यवस्था होनी चाहिए। उसकी अच्छी कीमत मिलनी चाहिए। ऐसे स्थानों का निर्माण करना चाहिए, जहां बड़ी मात्रा में गौमूत्र का संग्रह कर उससे खाद और कीटनाशक बनाए जाएं। जब गाय पालने से लोगों को लाभ होगा तो गौवंश की हालत अपनेआप सुधर जाएगी।

ट्वीटर टॉक

कोटा-बूंदी में अतिवृष्टि से उपजे हालात एवं राहत व आपदा प्रबंधन कार्यों की समीक्षा की। अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रभावित परिवारों की मदद पूरी संवेदनशीलता से हो। क्षतिग्रस्त मकानों, फसलों व पशुधन के नुकसान का सर्वे तत्परता से हो ताकि उन्हें शीघ्र राहत मिल सके।

-ओम बिरला

विलायती बबूल एक ऐसी प्रजाति है, जो नीम, पीपल, खेजड़ी और केर जैसे स्थानीय वृक्षों को नष्ट करने के साथ-साथ भूजल का अत्यधिक दोहन कर जलस्तर को गिराती है तथा उपजाऊ भूमि को बंजर बना देती है।

-मदन दिलावर

'विकसित राजस्थान 2047' के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के क्रम में मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित 'सांसदविधायक संवाद' कार्यक्रम की अगली कड़ी में बीकानेर, श्रीगंगानगर, चूरू, सीकर और झुंझुनूं के सांसदों, विधायक प्रत्याशियों तथा जिलाध्यक्षों को संबोधित किया।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

आत्मबोध की शक्ति

कॉलिन विल्सन की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। आर्थिक कठिनाइयों के कारण उन्हें सोलह वर्ष की उम्र में पढ़ाई छोड़कर काम करना पड़ा। उन्होंने कुछ समय तक ऊन बनाने के कारखाने में काम किया, फिर किसी प्रयोगशाला में सहायक बन गए। पढ़ाई पूरी न कर पाने की निराशा उनके मन पर हावी होने लगी। एक दिन उन्होंने आत्महत्या करने का निर्णय लिया। वे सायनाइड खाने जा रहे थे, तभी उनके मन में एक विचार आया। उन्होंने महसूस किया कि उनके भीतर दो कॉलिन विल्सन हैं एक जो परिस्थितियों से निराश है और दूसरा जो विचारशील, समर्थ और सक्षम है। इस अनुभव ने उनके जीवन के नए द्वार खोल दिए। उन्होंने आत्महत्या का विचार त्याग दिया और अपनी प्रतिभा के विकास में जुट गए। आगे चलकर वे एक प्रसिद्ध लेखक बने और विभिन्न विषयों पर अनेक पुस्तकें लिखीं। इस घटना से हमें यह सीख मिलती है कि जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं, पर हमें परिस्थितियों से हार नहीं माननी चाहिए।

सामयिक

गणेश हैं विघ्नहर्ता-मंगलकर्ता एवं जीवंत राष्ट्रीयता के प्रतीक

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

गणेश का व्यक्तित्व रहस्यमय हैं, जिसे पढ़ पाना एवं समझ पाना हर किसी के लिये संभव नहीं है। शासक भी वही सफल होता है जिसके मनोभावों को पढ़ा और समझा न जा सके। इस प्रकार अच्छा शासक वही होता है जो दूसरों के मन को तो अच्छी तरह से पढ़ ले परन्तु उसके मन को कोई न समझ सके। दरअसल वे शौर्य, साहस तथा नेतृत्व के भी प्रतीक हैं।

भारतीय संस्कृति और धर्मजगत में गणेशजी का स्थान अद्वितीय है। वे विघ्नहर्ता, बुद्धिदाता, मंगलकर्ता और उन्नत राष्ट्र-निर्माता हैं। वे न केवल भारतीय संस्कृति एवं जीवनशैली के कण-कण में व्याप्त है बल्कि विदेशों में भी घर-कारों-कार्यालयों एवं उत्पाद केन्द्रों में विद्यमान हैं। किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत उनके पूजन के बिना अधूरी मानी जाती है। उनके स्वरूप में ही गहन प्रतीकात्मकता निहित है, हाथी का विशाल मस्तक विवेक और दूरदर्शिता का प्रतीक है, छोटा मुख संयमित वाणी का द्योतक है, बड़े कान अधिक सुनने और कम बोलने की शिक्षा देते हैं, छोटा नेत्र गहराई से देखने की प्रेरणा देता है और विशाल उदर सहिष्णुता व समावेशिता का बोध कराता है। मनुष्य के दैनिक कार्यों में सफलता, सुख-समृद्धि की कामना, बुद्धि एवं ज्ञान के विकास एवं किसी भी मंगल कार्य को निर्विघ्न सम्पन्न करने हेतु गणेशजी को ही सर्वप्रथम पूजा जाता है, याद किया जाता है। प्रथम देव होने के साथ-साथ उनका व्यक्तित्व बहुआयामी है, लोकनायक का चरित्र हैं। गणेश शिवजी और पार्वती के पुत्र हैं, ऐसे सार्वभौमिक, सार्वकालिक एवं सार्वदैशिक लोकप्रियता वाले देव का जन्मोत्सव भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को सम्पूर्ण दुनिया में उमंग एवं हर्षोल्लास से मनाया जाता है। गणेशोत्सव हिन्दुओं का एक उत्सव है।

भारतीय धर्म-दर्शन में गणेश जी 'आरंभ के देवता' हैं। वैदिक परंपरा से लेकर पुराणों और लोककथाओं तक, वे हर युग में 'मार्गदर्शक' बने रहे हैं। यही कारण है कि उन्हें सर्वोपास्य' देवता कहा गया, सभी पंथों, संप्रदायों और वर्गों के लोग उनके पूजन में समान रूप से भाग लेते हैं। गणेशजी को प्रथम लिपिकार माना जाता है उन्होंने ही देवताओं की प्रार्थना पर वेद व्यासजी द्वारा रचित महाभारत को लिपिबद्ध किया था। जैन एवं बौद्ध धर्मों में भी गणेश पूजा का विधान है। अनंतकाल से अनेक नामों से गणेश दुख, भय, चिन्ता इत्यादि विघ्न के हरणकर्ता के रूप में पूजित होकर मानवों का संताप हरते रहे हैं। गणेश जी का पूजन केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय एकता का माध्यम भी है।

स्वतंत्रता संग्राम के दौर में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने गणेशोत्सव को सार्वजनिक रूप दिया। इससे गणेश चतुर्थी केवल पारिवारिक पर्व न रहकर जनजागरण और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक बन गई। तिलक ने इसे सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय चेतना के मंच के रूप में स्थापित किया, जिसने भारत को स्वतंत्रता संग्राम के लिए एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

वर्तमान काल में स्वतंत्रता की रक्षा, राष्ट्रीय चेतना, भावनात्मक एकता और अखंडता की रक्षा के लिए गणेशजी की पूजा और गणेश चतुर्थी के पर्व का उत्साहपूर्वक मनाने का अपना विशेष महत्व है। आज के समय में जब समाज विभिन्न मत-मतांतरों, भाषाओं और संस्कृतियों में बंटा दिखाई देता है, तब गणेशजी पुनः राष्ट्रीय एकता के प्रतीक बनकर सामने आते हैं। उनका स्वरूप हमें विविधता में एकता, सहिष्णुता, धैर्य और विवेकपूर्ण निर्णय की प्रेरणा देता है। गणेश जी हमें बताते हैं कि बुद्धि और करुणा का समन्वय ही प्रगति का मार्ग है। आज जब विश्व हिंसा, कट्टरता और असहिष्णुता से जूझ रहा है, तब गणेश चतुर्थी का पर्व हमें समन्वय और सहयोग का संदेश देता है। वे केवल धार्मिक आस्था के देवता ही नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक और राष्ट्रीय एकता के जीवंत प्रतीक हैं।

हिन्दुओं में गणेशजी के जन्म के विषय में अलग-अलग कथाएँ प्रचलित हैं। वराह पुराण के अनुसार स्वयं शिव ने पंच तत्त्वों को मिला कर गणेश का निर्माण बहुत तन्मयता से किया। जिससे वे अत्यंत सुन्दर और आकर्षक बने तो देवताओं में खलबली मच गयी, स्थिति को भांप कर शिव ने गणेश के पेट का आकार बढ़ा दिया और सिर को गजानन की आकृति का कर दिया ताकि उनके सौन्दर्य और आकर्षण को कम किया जा सके। शिव पुराण के अनुसार एक बार पार्वती ने अपने उबटन के मैल से एक पुतला बनाया और उसमें जीवन डाल दिया। इसके उपरांत उन्होंने इस जीवधारी पुतले को द्वार पर प्रहरी के रूप में बैठा दिया और उसे आदेश दिया कि वह किसी भी व्यक्ति को अंदर न आने दे। इसके बाद वे स्नान करने लग गई। संयोगवश कुछ ही समय बाद शिव उधर आ निकले। उनसे सर्वथा अपरिचित गणेश ने शिव को भी अंदर जाने से रोक दिया। इस पर शिव अत्यंत क्रोधित हुए और उन्होंने अपने त्रिशूल से गणेश का मस्तक काट दिया। पार्वती ने यह देखा तो वे बहुत दुखी हुईं। तब पार्वती को प्रसन्न करने के लिए शिव ने एक हाथी के बच्चे का सिर गणेश के धड़ से लगाकर उन्हें पुनर्जीवित कर दिया। तभी से गणेश, गजानन कहलाए। लेकिन बालक की आकृति से पार्वती बहुत दुखी हुई तो सभी देवताओं ने उन्हें आशीर्वाद और अतुलनीय उपहार भेंट किए, उन्हें प्रथम देव के रूप में सभी अधिकार प्रदत्त किये। इंद्र ने अंकुश, वरुण ने पाश, ब्रह्मा ने अमरत्व, लक्ष्मी ने ऋद्धि-सिद्धि और सरस्वती ने समस्त विद्याएँ प्रदान कर उन्हें देवताओं में सर्वोपरि बना दिया।

ऋद्धि-सिद्धि गणेशजी की पत्नियाँ हैं। वे प्रजापति विश्वकर्ता की पुत्रियां हैं। गणेश की पूजा यदि विधिवत की जाए, तो इनकी पतिव्रता पत्नियां ऋद्धि-सिद्धि भी प्रसन्न होकर घर-परिवार में सुख-शांति-समृद्धि और संतान को निर्मल विद्या-बुद्धि देती है। सिद्धि से क्षेम' और ऋद्धि से लाभ' नाम के शोभा सम्पन्न दो पुत्र हुए। जहां भगवान गणेश विघ्नहर्ता हैं तो उनकी पत्नियां ऋद्धि-सिद्धि यशस्वी, वैभवशाली व प्रतिष्ठित बनाने वाली होती है। वहीं शुभ-लाभ हर सुख-सौभाग्य देने के साथ उसे स्थायी और सुरक्षित रखते हैं। जन-जन के कल्याण, धर्म के सिद्धान्तों को व्यावहारिक रूप प्रदान करने एवं सुख-समृद्धि-निर्विघ्न शासन व्यवस्था स्थापित करने के कारण मानव-जाति सदा उनकी ऋणी रहेगी। आज के शासनकर्ताओं को गणेश के पदचिन्हों पर चलने की जरूरत है।

गणेशजी की सम्पूर्ण शारीरिक रचना के पीछे भगवान शिव की व्यापक सोच रही है। एक कुशल, न्यायप्रिय एवं सशक्त शासक एवं देव के समस्त गुण उनमें समाहित किये गये हैं। गणेशजी का गज मस्तक हैं अर्थात वह बुद्धि के देवता हैं। वे विवेकशील हैं। उनकी स्मरण शक्ति अत्यन्त कुशाग्र हैं। हाथी की भ्रांति उनकी प्रवृत्ति प्रेरणा का उद्गम स्थान धीर, गंभीर, शांत और स्थिर चेतना में है। हाथी की आंखें अपेक्षाकृत बहुत छोटी होती हैं और उन आँखों के भावों को समझ पाना बहुत कठिन होता है। दरअसल गणेश तत्ववेत्ता के आदर्श रूप हैं। गण के नेता में गुरुता और गंभीरता होनी चाहिए। उनके स्थूल शरीर में वह गुरुता निहित है। उनका विशाल शरीर सदैव सतर्क रहने तथा सभी परिस्थितियों एवं कठिनाइयों का सामना करने के लिए तत्पर रहने की भी प्रेरणा देता है। उनका लंबोदर दूसरों की बातों की गोपनीयता, बुराइयों, कमजोरियों को स्वयं में समाविष्ट कर लेने की शिक्षा देता है तथा सभी प्रकार की निंदा, आलोचना को अपने उदर में रख कर अपने कर्तव्य पथ पर अडिग रहने की प्रेरणा देता है। छोटा मुख कम, तर्कपूर्ण तथा मृदुभाषी होने का द्योतक है।

गणेश का व्यक्तित्व रहस्यमय हैं, जिसे पढ़ पाना एवं समझ पाना हर किसी के लिये संभव नहीं है। शासक भी वही सफल होता है जिसके मनोभावों को पढ़ा और समझा न जा सके। इस प्रकार अच्छा शासक वही होता है जो दूसरों के मन को तो अच्छी तरह से पढ़ ले परन्तु उसके मन को कोई न समझ सके। दरअसल वे शौर्य, साहस तथा नेतृत्व के भी प्रतीक हैं। उनके हेरांब रूप में युद्धप्रियता का, विनायक रूप में यक्षों जैसी विकरालता का और विघ्नेश्वर रूप में लोकरंजक एवं परोपकारी स्वरूप का दर्शन होता है। गण का अर्थ है समूह। गणेश समूह के स्वामी हैं इसीलिए उन्हें गणाध्यक्ष, लोकनायक, गणपति आदि नामों से पुकारा जाता है। इसलिए गणेश चतुर्थी मनाना केवल धार्मिक परंपरा का निर्वाह नहीं है, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक चेतना को जागृत करने, सामाजिक समरसता को मजबूत करने और राष्ट्रीय एकता को पुष्ट करने का संकल्प है।

विशेष

भगवान गणेश हर परिस्थिति में खुश रहने का देते हैं मंत्र

नंदकिशोर अग्रवाल

मोबाइल : 9945395760

आज है 'गणेश चतुर्थी' अर्थात सिद्धिविनायक भगवान गणेश का जन्मोत्सव। गणेश जी सुख- समृद्धि, रिद्धि-सिद्धि, वैभव, आनंद, ज्ञान एवं शुभता के अधिष्ठाता हैं। प्रथम लिपिकार एवं मंगलमूर्ति गणेश को कोटि-कोटि शीश नमन एवं चरण वंदना। भगवान गणेश का व्यक्तित्व एवं कृतित्व बहुआयामी एवं बहुरंगी है अर्थात बुद्धिमता, चातुर्य, युद्ध-नीति, प्रेम-भाव, सुख-दुख और न जाने और क्या? गजमुख पर उनके कान इस बात के प्रतीक हैं कि शासक जनता की बात सुनने के लिए सदैव अपने कान खुले रखे। शासक को हाथी ही की भांति शक्तिशाली एवं स्वाभिमानी होना चाहिए। मूषक गणपति का वाहन है जो चंचलता का एवं दूसरों के छिन्द्रान्वेषण प्रवृत्ति को नियंत्रित करने का प्रेरक है। रक्त वर्ण, लंबोदर, गजानन गणेश को सभी देवों में सर्व प्रथम स्थान प्राप्त है इसीलिए कोई भी शुभ कार्य करने से पहले उनकी पूजा करने का विधान है।

गणपति से हमें सबसे बड़ी सीख मिलती है कि जीवन में हमेशा खुश रहें। चाहे कैसी भी परिस्थिति क्यों न हो, प्रसन्नता की कोशिश की जानी चाहिए। गणपति बप्पा को हमेशा खुश रहने वाले देवता के

तौर पर माना जाता है। खुश रहने से बड़ा से बड़ा मुश्किल वक्त भी आसानी से निकल जाता है। यह सब धैर्य से संभव हो सकता है। भगवान गणेश के जीवन को गौर से देखें तो कभी बड़े-छोटे में भेद नहीं करते।

जितना उन्हें नंदी से प्यार है, उतना ही प्रेम वे मूषकराज से भी करते हैं। उनका यह गुण संदेश देता है कि हमारी जिंदगी में आने वाले हर व्यक्ति का बराबर सम्मान करना चाहिए। उनके बीच किसी भी तरह का बड़ा या छोटा होने का भेद नहीं करना चाहिए।

वक्रतुंड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभः।
निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा।।

नजरिया

बांग्लादेश में मानवाधिकार संकट

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल : 9989703240

बांग्लादेश इन दिनों जिस दौर से गुजर रहा है, उसने लोकतांत्रिक मूल्यों और नागरिक स्वतंत्रताओं को गहरे संकट में डाल दिया है। अवामी लीग की हालिया रिपोर्ट में जिन तथ्यों का खुलासा हुआ है, वे केवल आंतरिक राजनीति की हलचल नहीं, बल्कि एक ऐसे तंत्र का संकेत देते हैं जो नागरिक अधिकारों को दबाने और भय का वातावरण कायम करने पर आमादा है।

रिपोर्ट के अनुसार, अगस्त 2024 से जुलाई 2025 के बीच 496 पत्रकार उत्पीड़न का शिकार हुए और तीन पत्रकारों ने अपनी ड्यूटी के दौरान जान गंवाई। झूठे मुकदमे, लगातार धमकियाँ और मनगढ़ंत आरोप इस बात को स्पष्ट करते हैं कि बांग्लादेश में स्वतंत्र पत्रकारिता की रीढ़ तोड़ने की सुनियोजित कोशिशें हो रही हैं। लोकतंत्र का चौथा स्तंभ तब तक सार्थक है, जब तक वह सत्ता से प्रश्न पूछ सके। यदि पत्रकारों को अपराधियों की तरह अदालतों में घसीटा जाए, तो लोकतंत्र केवल औपचारिकता बनकर रह जाएगा। अल्पसंख्यकों पर हमलों के आंकड़े भी उतने ही चिंताजनक हैं। 2025 की पहली छमाही में 258 सांप्रदायिक हमलों की घटनाएँ दर्ज की गईं। रंगपुर जिले में हिंदू परिवारों के घर लूटे गए, जलाए गए और तबाह कर दिए गए। यह महज छिटपुट हिंसा नहीं थी, बल्कि धमकी और असुरक्षा के पैटर्न का हिस्सा थी। जब नागरिक अपनी ही मातृभूमि में असुरक्षित और विस्थापित हो जाएं, तो यह किसी भी लोकतांत्रिक राष्ट्र की असफलता का सबसे स्पष्ट प्रमाण होता है।

महिलाओं की स्थिति इस परिदृश्य को और भी जटिल बनाती है। छात्राओं और पेशेवर महिलाओं पर उनके पहनावे और विचारों के कारण हमले हुए। कट्टरपंथी सोच को चुनौती देने पर उन्हें प्रताड़ित किया गया और सड़क पर आम महिलाओं तक को उत्पीड़न और धमकियों का सामना करना पड़ा। यह सब उस मानसिकता का परिचायक है जो महिलाओं की स्वतंत्रता और गरिमा को स्वीकार करने को तैयार नहीं। ऐसी स्थिति में समाज का सांस्कृतिक और सामाजिक विकास रुक जाता है और दमघोंटू माहौल सामान्य जीवन का हिस्सा बन जाता है।

यह तर्क दिया जा सकता है कि हर राष्ट्र की अपनी राजनीतिक जटिलताएँ होती हैं, परंतु बांग्लादेश का मौजूदा संकट केवल आंतरिक राजनीति तक सीमित नहीं है। यह म्यांमार और अफगानिस्तान जैसी स्थितियों से मेल खाता हुआ प्रतीत होता है। म्यांमार में तख्तापलट के बाद प्रेस और अल्पसंख्यकों पर दमन हुआ और अफगानिस्तान में तालिबानी शासन ने महिलाओं की स्वतंत्रता को कुचल दिया। बांग्लादेश में आज जो पैटर्न दिख रहा है, वह इन्हीं मॉडलों की याद दिलाता है।

पाकिस्तान में भी पत्रकारों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं पर हमले आम हैं, किंतु बांग्लादेश में घटनाओं की व्यापकता और उनका संगठित स्वरूप कहीं अधिक चिंताजनक है। यह संकट केवल बांग्लादेश की लोकतांत्रिक आत्मा के लिए नहीं, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया की स्थिरता के लिए खतरा है। अल्पसंख्यकों पर हिंसा और नागरिक असुरक्षा शरणार्थी संकट को जन्म दे सकती है, जो पड़ोसी देशों को भी प्रभावित करेगा। प्रेस स्वतंत्रता और नागरिक अधिकारों का हनन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दक्षिण एशिया की लोकतांत्रिक छवि को गहरा आघात पहुँचाएगा।

अवामी लीग ने सही ही कहा है कि बांग्लादेशी अकेले इस लड़ाई को नहीं लड़ सकते। अंतरराष्ट्रीय समुदाय की जिम्मेदारी है कि वह इस संकट को गंभीरता से ले। संयुक्त राष्ट्र को तत्काल फैक्ट-फाइंडिंग मिशन भेजना चाहिए ताकि हालात का स्वतंत्र आकलन हो सके। यूरोपीय संघ और अमेरिका को कूटनीतिक दबाव और मानवाधिकार उल्लंघन पर प्रतिबंध जैसी नीतियाँ अपनानी होंगी। दक्षिण एशियाई देशों को भी चुप नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे एक क्षेत्रीय संकट के रूप में उठाना चाहिए। सबसे अहम प्रश्न यह है कि क्या बांग्लादेश को इस भयावह दौर से बाहर निकालने के प्रयास किए जाएंगे या फिर दुनिया चुपचाप देखती रहेगी। लोकतंत्र केवल चुनावों का नाम नहीं है। यह नागरिक स्वतंत्रताओं, अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और महिलाओं की बराबरी की गारंटी से बनता है। यदि ये सभी छिन जाएँ, तो चुनाव भी केवल खोखला अभ्यास रह जाते हैं।

बांग्लादेश के मौजूदा हालात इस सच्चाई की याद दिलाते हैं कि लोकतंत्र और मानवाधिकार कभी स्थायी रूप से सुरक्षित नहीं होते। इन्हें बचाने के लिए निरंतर प्रयास, संघर्ष और अंतरराष्ट्रीय सहयोग आवश्यक है। जब भय और चुप्पी व्यवस्था बन जाएं, तो आवाज़ उठाना ही सबसे बड़ा कर्तव्य बन जाता है। आज यह कर्तव्य केवल बांग्लादेशियों का नहीं, बल्कि पूरी दुनिया का है। यदि दुनिया ने इस पुकार को अनसुना किया, तो यह मिसाल बन जाएगी कि दमनकारी ताकतें बिना किसी जवाबदेही के बच सकती हैं। बांग्लादेश के हालात हमें यही चेतावनी दे रहे हैं।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

प्रदर्शन

पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के इंटर्न डॉक्टर मंगलवार को पटना में अपने वजीफे में वृद्धि की मांग को लेकर ओपीडी हड़ताल के दौरान नारेबाजी करते हुए।

उम्मीद है चीन में होने वाले एससीओ शिखर सम्मेलन में सीमा पार आतंकवाद की निंदा की जाएगी : भारत

नई दिल्ली/भाषा। भारत सरकार ने मंगलवार को उम्मीद जतायी कि शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) अगले हफ्ते चीन के तियानजिन शहर में होने वाले अपने वार्षिक शिखर सम्मेलन में सीमा पार आतंकवाद की कड़ी निंदा करेगा।

यह टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की चीन यात्रा से पहले आई है। मोदी 29 अगस्त से एक सितंबर तक जापान और चीन की चार दिवसीय यात्रा पर रहेंगे।

अपनी यात्रा के पहले चरण में वह प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा के साथ वार्षिक भारत-जापान शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए टोक्यो जाएंगे। दोनों प्रधानमंत्री टोक्यो के बाहर भी मिलेंगे। जापान यात्रा समाप्त करने के बाद मोदी 31 अगस्त और एक सितंबर को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए तियानजिन जाएंगे।

एक संयुक्त प्रेसवार्ता में विदेश सचिव विक्रम मिसरी के साथ विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) तन्मय लाल ने कहा कि नई दिल्ली, शिखर सम्मेलन की घोषणा में आतंकवाद की कड़ी निंदा सुनिश्चित करने के लिए अन्य एससीओ सदस्य देशों और भागीदारों के साथ काम कर रहा है। उन्होंने कहा, एससीओ की स्थापना आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद जैसी तीन बुराइयों का मुकाबला करने के प्राथमिक लक्ष्य के साथ की गई थी, जो आज भी एक चुनौती बनी हुई है।

लाल ने कहा कि क्षेत्र की सुरक्षा एससीओ सदस्यों के लिए प्राथमिकता बनी हुई है और उन्होंने कट्टरपंथ, उग्रवाद और आतंकवाद का मुकाबला करने पर एक संयुक्त वक्तव्य का स्मरण किया जिसे 2023 में समूह की भारत की अध्यक्षता के दौरान अपनाया गया था। उन्होंने कहा, अतीत में जिन वक्तव्यों को अंतिम रूप दिया गया है, उनमें सीमा पार आतंकवाद सहित अन्य तरह के आतंकवाद की कड़ी निंदा की गई है, जिसमें वह संयुक्त वक्तव्य भी शामिल है जिसका मैंने उल्लेख किया है, जिसे शिखर सम्मेलन की हमारी अध्यक्षता के दौरान अंतिम रूप दिया गया था। उन्होंने कहा, जहां तक इस (आगामी) शिखर सम्मेलन के घोषणापत्र का संबंध है, तो उसके मसौदे को अभी अंतिम रूप दिया जा रहा है। हम अन्य सदस्यों और साझेदारों के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं कि सीमा पार आतंकवाद सहित अन्य आतंकवाद की फिर से कड़ी निंदा की जाए।

आकाश त्रिपाठी को एसईसीआई का प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया

नई दिल्ली/दक्षिण भारत। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के अंतर्गत भारतीय सौर ऊर्जा निगम लिमिटेड (एसईसीआई) ने आईएएस अधिकारी आकाश त्रिपाठी को प्रबंध निदेशक नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति को मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) द्वारा भारत सरकार में अतिरिक्त सचिव के पद और वेतन पर अनुमोदित किया गया है। एसईसीआई की नेतृत्व संरचना के बारे में बताया गया कि नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के सचिव संतोष सारंगी इसके अध्यक्ष बने रहेंगे। यह शासन ढांचा एसईसीआई के विस्तारित पोर्टफोलियो में संस्थागत निगरानी और समर्पित कार्यकारी दिशा देता है। संतोष सारंगी ने कहा, 'एसईसीआई भारत के नवीकरणीय ऊर्जा कार्यान्वयन के मूल में काम करता है। त्रिपाठी की नियुक्ति से बड़े पैमाने पर कार्यान्वयन, संस्थागत समन्वय और हरित हाइड्रोजन, ऊर्जा भंडारण और हरित ऊर्जा परियोजनाओं जैसी उभरतीं प्राथमिकताओं के लिए समर्पित नेतृत्व मिलेगा। यह दोहरी संरचना मंत्रालय की सक्षमता और जवाबदेही के लिए दृष्टिकोण को दर्शाती है।'

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के अंतर्गत नवरत्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम एसईसीआई भारत की राष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा पहलों को लागू करने के लिए नामित एजेंसी है, जिसमें सौर, पवन, हाइब्रिड, ऊर्जा भंडारण, अपतटीय पवन और हरित हाइड्रोजन परियोजनाएं शामिल हैं।

श्रद्धांजलि

उपराष्ट्रपति पद के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार और महाराष्ट्र के राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन ने मंगलवार को मुंबई स्थित चैत्यभूमि में भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की। सांस्कृतिक मामलों और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री आशीष शेलार और विधायक अमीत साटम भी उपस्थित थे।

एक तिहाई स्कूली बच्चे निजी कोचिंग लेते हैं : सर्वेक्षण

नई दिल्ली/भाषा। देश के करीब एक तिहाई स्कूली छात्र निजी कोचिंग का सहारा लेते हैं और यह प्रवृत्ति शहरी क्षेत्रों में अधिक आम है। केंद्र द्वारा शिक्षा पर कराए गए व्यापक वार्षिक मॉड्यूलर सर्वेक्षण (सीएमएस)में यह खुलासा हुआ है।

सर्वेक्षण के मुताबिक सरकारी स्कूल पूरे भारत में शिक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण अहम भूमिका निभाते हैं और अब भी विद्यालयों में नामांकित कुल छात्रों में 55.9 प्रतिशत हिस्सेदारी सरकारी विद्यालयों की है। सर्वेक्षण रिपोर्ट में कहा गया, ग्रामीण क्षेत्रों में यह दर अधिक है, जहां दो-तिहाई (66.0 प्रतिशत) छात्र सरकारी विद्यालयों में नामांकित हैं, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह दर 30.1 प्रतिशत है। निजी गैर-सहायता प्राप्त (मान्यता प्राप्त) विद्यालयों में देशभर में 31.9 प्रतिशत छात्र नामांकित हैं।

राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (एनएसएस) के 80वें दौर का हिस्सा, सीएमएस शिक्षा सर्वेक्षण, विशेष रूप से स्कूली शिक्षा में वर्तमान में नामांकित छात्रों के घरेलू खर्च पर केंद्रित था। सर्वेक्षण के दौरान कंप्यूटर-सहायता प्राप्त व्यक्तिगत साक्षात्कार (सीएपीआई) का उपयोग करके पूरे भारत में 52,085 परिवारों और 57,742 छात्रों से आंकड़े एकत्रित किए गए।

सर्वेक्षण के मुताबिक करीब एक तिहाई छात्र (27.0 प्रतिशत) चालू शैक्षणिक वर्ष के दौरान निजी कोचिंग ले रहे थे या ले चुके थे। यह प्रवृत्ति ग्रामीण क्षेत्रों (25.5 प्रतिशत) की तुलना में शहरी क्षेत्रों (30.7 प्रतिशत) में अधिक आम थी। इसके अनुसार शहरी क्षेत्रों में प्रति छात्र निजी कोचिंग पर औसत वार्षिक घरेलू व्यय (3,988 रुपए) है जो ग्रामीण क्षेत्रों (1,793 रुपए) की तुलना में अधिक है। रिपोर्ट में कहा गया, यह अंतर उच्च कक्षाओं के साथ बढ़ता जाता है। शहरी क्षेत्र में उच्चतर माध्यमिक स्तर पर निजी कोचिंग पर औसतन 9,950 रुपए खर्च किए जाते हैं जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह औसतन 4,548 रुपए है। राष्ट्रीय स्तर पर कक्षाओं के साथ कोचिंग का खर्च भी बढ़ता है और पूर्व प्राथमिक में जहां औसतन 525 रुपए खर्च होते हैं, वह उच्चतम माध्यमिक कक्षाओं में बढ़कर 6,384 हो जाते हैं।

सर्वेक्षण के मुताबिक भारत में स्कूली शिक्षा पर खर्च करने वाले छात्रों में से 95 प्रतिशत ने बताया कि उनके वित्तपोषण का पहला प्रमुख स्रोत परिवार के अन्य सदस्य हैं। यह प्रवृत्ति ग्रामीण (95.3 प्रतिशत) और शहरी (94.4 प्रतिशत) दोनों क्षेत्रों में समान रूप से देखी गई। भारत में, 1.2 प्रतिशत छात्रों ने बताया कि सरकारी छात्रवृत्तियां उनकी स्कूली शिक्षा के लिए वित्तपोषण का पहला प्रमुख स्रोत है।

मनोज बाजपेयी की फिल्म 'जुगनुमा' जल्द होगी रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड स्टार मनोज बाजपेयी की नई फिल्म 'जुगनुमा' की रिलीज डेट फाइनल हो गई है। यह 12 सितंबर को रिलीज होगी। मेकर्स ने एक पोस्टर जारी कर इसकी जानकारी फैंस को दी है। 'जुगनुमा' को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इस फिल्म को खूब सराहा गया है।

अब इसे भारत में रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म का एक पोस्टर तरण आदर्श ने इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए लिखा, मनोज बाजपेयी की फिल्म 12 सितंबर 2025 को रिलीज होगी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तारीफ बटोरने के बाद अब ये भारत के सिनेमाघरों में रिलीज होने को तैयार है। इस फिल्म को नेशनल अवॉर्ड विजेता राम रेड्डी ने डायरेक्ट किया है। उन्हें कन्नड़ फिल्म थिथि के लिए ये अवॉर्ड मिला था। इसके पोस्टर में मनोज बाजपेयी अपनी ऑनस्क्रीन फैमिली के साथ दिखाई दे रहे हैं। इसमें एक बच्चा उनके कंधों पर बैठा है और सभी किसी बात का जश्न मनाते दिख रहे हैं।

इस फिल्म की कहानी 1980 के दशक की है। इसमें जुगनू महादेव (मनोज बाजपेयी) रहस्यमयी तरीके से जल रहे जंगलों के बारे में पता लगाते हैं। इसमें मनोज बाजपेयी के साथ दीपक डोबरियाल, प्रियंका बोस, तिलोत्तमा शोम, हीरल सिद्धू और अवन पुकोट भी अहम किरदार निभा रहे हैं। गुनीत मोंगा और अनुराग कश्यप इस फिल्म के एग्जिक्यूटिव प्रोड्यूसर हैं। इसके डायलॉग वरुण ग्रोवर ने लिखे हैं। फिल्म को मैक्स मीडिया, सिख्या एंटरटेनमेंट और पर्सपेक्टिव प्रोडक्शन ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म के साथ ही मनोज बाजपेयी के पास फिल्म 'इंस्पेक्टर जेंडे' भी है। यह फिल्म 5 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने के लिए तैयार है। इसमें मनोज बाजपेयी एक बार फिर से इंस्पेक्टर की भूमिका में दिखाई देंगे।

चिन्मय डी. मांडलेकर के निर्देशन में बनी फिल्म में मनोज बाजपेयी और जिम सर्भ के साथ भालचंद्र कदम, सचिन खेडेकर, गिरिजा ओक और हरीश दुधाडे जैसे एक्टर्स भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। कुछ दिनों पहले ही इसका पोस्टर जारी कर इसकी रिलीज डेट से पर्दा उठाया गया था।

'वैन एंड वेयर' पर थिरकीं शहनाज

मुंबई/एजेन्सी

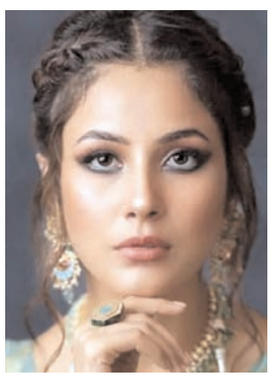

पंजाब की 'कटरीना कैफ' और बिग बॉस 13 की कंटेस्टेंट शहनाज गिल सोशल मीडिया के जरिए फैंस से जुड़ी रहती हैं। इस बीच, वे सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट कर रही हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह गाना 'वैन एंड वेयर' में शानदार एक्सप्रेशन के साथ डांस करती नजर आ रही हैं।

शहनाज ब्लैक टॉप और जींस के साथ बोल्ड अंदाज में मूव्स भी दे रही है। अभिनेत्री ने इसके कैप्शन में लिखा, दस तैनू किथ्थे मिलना... किद्दा मिलना? 'वैन एंड वेयर' बता दें, यह गाना अभिनेत्री की अपकमिंग फिल्म 'इक्क कुड़ी' का है, जिसमें हनी सिंह ने अपनी आवाज दी है। इसके लिरिक्स जिंद माही ने दिए हैं। कोरियोग्राफर रजित देव ने किया है।

गाने में अभिनेत्री शहनाज गिल के साथ हनी सिंह भी नजर आ रहे हैं। इंस्टाग्राम पर हनी सिंह और शहनाज ने इस गाने की झलक अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट की थी। इस गाने में दोनों की हॉट केमिस्ट्री दिख रही है, जहां शहनाज का जमैका लुक है और हनी का अपना सिग्नेचर स्वैग है। अभिनेत्री ने गाने को पोस्ट कर कैप्शन में लिखा, इक्क कुड़ी', ये डांस अब पूरी तरह से आपका है...जितनी हो सके उतनी रील्स बनाएं और मुझे भेजें! हमारी फिल्म 'इक्क कुड़ी' 19 सितंबर को रिलीज हो रही है। जबरदस्त गाना 'व्हेन एंड व्हेयर'... अभी रिलीज हुआ है।

अमरजीत सिंह सरोन द्वारा निर्देशित और लिखित, यह फिल्म शहनाज गिल की बतौर प्रोड्यूसर पहली फिल्म है। मेकर्स ने फिल्म का टीजर रिलीज कर दिया है। यह एक पंजाबी महिला-सेंट्रिक फिल्म है; फिल्म की कहानी एक युवा लड़की के इर्द-गिर्द घूमती है, जो शादी की चुनौतियों और सामाजिक मुश्किलों से जूझती है। इस फिल्म में शहनाज के अलावा निर्मल ऋषि, हर्बी संघा और उदयबीर संधू भी अहम किरदार में नजर आएंगे। पहले यह फिल्म 13 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट को बदलकर अब 19 सितंबर कर दिया है।

शुभारंभ

दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद बांसुरी स्वराज मंगलवार को नई दिल्ली के लोदी एस्टेट स्थित एसपीवी में सरदार पटेल विद्यालय (एसपीवी) के छात्रों के लिए दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) के सहयोग से इलेक्ट्रिक बसों का शुभारंभ करते हुए।

जयपुर पहुंचीं मन्नारा चोपड़ा, बताया 'सा रे गा मा' का क्या है उनके लिए मतलब

मुंबई/एजेन्सी

'बिग बॉस' फेम मन्नारा चोपड़ा कुछ दिनों पहले अपनी नानी के घर अंबाला गई थीं। इन दिनों वो जयपुर में हैं और अपनी फैमिली के साथ छुट्टियां मना रही हैं। इसकी कुछ तस्वीरें उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट की हैं। एक प्यारी सी पोस्ट के जरिए अभिनेत्री ने बताया कि इस ट्रिप की पूरी योजना पेरिस से आए उनके दो कजिन्स ने की थी। पोस्ट को शेयर करते हुए मन्नारा चोपड़ा ने इंस्टाग्राम पर लिखा, मिलिए मेरे कजिन्स से जो मेरी नानी की तरफ से हैं। हम सब जयपुर में यादें संजो रहे हैं। उन्होंने अपनी नानी के घर की तस्वीरों के साथ ही कुछ यादें भी शेयर की हैं। इसमें उन्होंने नानी के घर के अलावा अंबाला कैंट की कुछ खूबसूरत तस्वीरें भी शेयर की हैं। अंकुर और आयुषी को धन्यवाद, पेरिस से भारत आने के लिए और इस ट्रिप की प्लानिंग करने के लिए। इस पोस्ट में उन्होंने एक वीडियो भी शेयर किया है। यहां इसमें वो अपने कजिन्स से मिलवाते हुए बता रही हैं कि उनके लिए 'सा रे गा मा' का मतलब क्या है। मन्नारा ने मौसेरे और ममेरे भाई बहनों को सा, रे, गा बताया तो चौथे सुर 'मा' को अपनी मां से जोड़ा। उन्होंने कहा क्योंकि मां तो हमेशा साथ रहती हैं। तस्वीरों में मन्नारा चोपड़ा जयपुर के दर्शनीय स्थलों में घूमती दिखाई दे रही हैं। जल महल से लेकर हवा महल तक को निहारती देखी जा सकती हैं। एक फोटो में वो राजस्थानी थाली का भी लुत्फ उठाती दिखीं। कुछ दिनों पहले उन्होंने अंबाला ट्रिप की भी तस्वीरें फैंस के लिए इंस्टाग्राम पर शेयर की थीं। उन्होंने पोस्ट में बताया था कि नानी के घर जाने पर उन्हें बहुत ही खास फील होता था। बचपन में जब भी वो वहां जाती थीं तो दोपहर में खूब सोती थीं, खेलती थीं, और घर के बने खाने और अचार का लुत्फ उठाती थीं। मन्नारा ने बताया कि यहां के मौसमी फल और सब्जियां जीवन में रंग भर देती हैं।

नीरू बाजवा और रुबीना दिलैक का पंजाबी फिल्म और टीवी पर राज

मुंबई/एजेन्सी

पंजाबी फिल्म और टेलीविजन इंडस्ट्री में आज कई ऐसे कलाकार हैं जिन्होंने अपनी मेहनत और प्रतिभा से लोगों के दिलों में खास जगह बनाई है। नीरू बाजवा और रुबीना दिलैक ऐसे ही दो नाम हैं जो पंजाबी सिनेमा और टीवी की दुनिया में अपनी अलग पहचान रखते हैं। दोनों ने अपने अभिनय के दम पर पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री को मजबूती दी है और साथ ही दर्शकों का मनोरंजन भी किया है। पंजाबी भाषा और संस्कृति को बढ़ावा देने में इन दोनों का योगदान काफी महत्वपूर्ण है। जहां नीरू बाजवा को पंजाबी सिनेमा की सबसे सफल अभिनेत्रियों में गिना जाता है, वहीं रुबीना दिलैक ने टीवी और फिल्मों दोनों में अपनी छाप छोड़ी है। दोनों कलाकारों ने न केवल पंजाबी फिल्मों में काम किया, बल्कि टेलीविजन पर भी अपनी अच्छी-खासी मौजूदगी दर्ज कराई है। उनकी फिल्मों और सीरियल्स ने पंजाब की संस्कृति, लोगों के जीवन और पारिवारिक रिश्तों को खूबसूरती से पेश किया है। इसी वजह से वे पंजाबी सिनेमा और टीवी की जानी-मानी हस्तियां बन चुकी हैं।

नीरू बाजवा का जन्म 26 अगस्त 1980 को कनाडा के सरे शहर में हुआ था। वह एक भारतीय परिवार से ताल्लुक रखती हैं। नीरू ने अपने करियर की शुरुआत 1998 में हिंदी फिल्म 'मैं सोलह बरस की' से की थी, लेकिन बाद में उन्होंने पंजाबी फिल्मों में ज्यादा काम किया और वहां उन्हें काफी सफलता मिली। नीरू की पंजाबी फिल्मों में 'जट्ट एंड जूलियट', 'सरदार जी', 'लौंग लाची', 'शादा' जैसी कई हिट फिल्में शामिल हैं। उन्होंने पंजाबी सिनेमा में अपनी

खास जगह बनाई और तीन बार पीटीसी पंजाबी फिल्म पुरस्कार भी जीता। पंजाबी फिल्मों में बेहतरीन अभिनय के लिए उन्हें फिल्मफेयर पुरस्कार भी मिला।

नीरू ने सिर्फ अभिनय ही नहीं किया, बल्कि पंजाबी फिल्मों के निर्देशन और प्रोडक्शन में भी हाथ आजमाया है। 2017 में उन्होंने पंजाबी फिल्म 'सरगी' का निर्देशन किया, जो उनकी बहन रुबीना बाजवा की शानदार फिल्म थी। नीरू का योगदान सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है, उन्होंने हॉलीवुड की अलौकिक थ्रिलर फिल्म 'इट लिव्स इनसाइड' (2023) के जरिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी छवि बनाई। नीरू बाजवा ने टीवी में भी काम किया, जिसमें 'अस्तित्व...एक प्रेम कहानी', 'जीत', 'बंदूकें गुलाब', और 'हरी मिर्ची लाल मिर्ची' जैसे सीरियल शामिल हैं। वह हाल ही में रिलीज हुई अजय देवगन की फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' में भी नजर आईं।

रुबीना दिलैक की बात करें, तो उनका जन्म 26 नवंबर 1989 को हिमाचल प्रदेश के पालमपुर में हुआ। अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद मॉडलिंग और अभिनय की ओर रुख किया। रुबीना ने टीवी इंडस्ट्री में अपनी शुरुआत की, लेकिन पंजाबी फिल्मों में अपनी पहचान बनाई।

टीवी सीरियल 'छोटी बहू' में उनके अभिनय को काफी पसंद किया गया। इसमें उन्होंने राधिका नाम की लड़की का किरदार निभाया, जो घर-घर में मशहूर हुआ। इसके बाद वह 'सास बिना ससुराल', 'शक्ति-अस्तित्व के एहसास की', 'पुनर्विवाह- एक नई उम्मीद', 'देवों के देव...महादेव', 'जीनी और जूजू' जैसी सीरियल्स में नजर आईं।

उन्होंने 'बिग बॉस 14', 'फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी 12', और 'झलक दिखला जा 10' सहित कई रियलिटी शो किए। वह 'बिग बॉस 14' की विजेता भी रहीं। उन्होंने 'चल भज्ज चलें' जैसी पंजाबी फिल्मों में काम किया। रुबीना ने कई पुरस्कारों के लिए नामांकन हासिल किए और कई बार जीत भी हासिल की है। टीवी और फिल्मों दोनों में उनकी लोकप्रियता दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। नीरू बाजवा और रुबीना दिलैक की मेहनत और लगन ने पंजाबी फिल्म और टीवी इंडस्ट्री को मजबूती दी है। दोनों पंजाबी सिनेमा और टीवी की चमकती हुई हस्तियां हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | बुधवार | 27-08-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

अनुपम धर्म को पाकर भी फल की इच्छा करना व्यर्थ है। किसी भी दबाव में आए बिना आत्मा के शुभ परिणाम से इस दूषण को छोड़ें। हमें सही-गलत के लिए शिक्षा ग्रहण नहीं करनी है बल्कि आगे बढ़ने के लिए करनी है। जहां समता आएगी, वहां धर्म के फल में संशय पैदा नहीं होगा। मिथ्या दृष्टि देवों के बाह्य, व्यवहारिक दिखते हुए दान आदि गुणों की प्रशंसा करना, वह मिथ्या मत की प्रशंसा करने के समान है।

ट्रिप्लीकेन वडेर ने मनाया वार्षिकोत्सव व भादवी बीज महोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां सीरवी समाज ट्रस्ट तमिलनाडु ट्रिप्लीकेन का 44वां वाषिक सम्मलेन व भादवा सुदी बीज समारोह धूमधाम से मनाया गया। माताजी की पूजा अर्चना आरती की गई। उसके बाद साधारण सभा का शुभारंभ हुआ।

संस्था के पूर्व अध्यक्ष खेताराम गहलोत ने स्वागत करते हुए भादवी बीज की बधाई दी। कोषाध्यक्ष उमाराम परिहारिया ने गत वर्ष के आय व्यय का लेखा जोखा प्रस्तुत किया। वक्ताओं ने समाज हित के लिए विचार व्यक्त किये। सभापति हिमताराम गहलोत ने सभा को संबोधित किया।

इससे पूर्व संध्या रविवार को रात्रि जागरण का आयोजन किया गया। जागरण का शुभारंभ आईमाता तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। भजन गायकों ने राजस्थानी लोक भजनों की प्रस्तुतियां देकर श्रद्धालुओं को देर रात तक झूमने पर मजबूर कर दिया।

इस दौरान मंदिर की वार्षिक चढ़ावों की बोली बोली गई। जिसमें समाज बंधुओं ने बढ-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर बोलीयों के लाभार्थियों व अतिथियों का समाज की ओर से सम्मान किया गया।

इस मौके पर अधयक्ष उमाराम परिहारिया, उपाध्याय अचलाराम चोयल, सचिव हरिराम सेपटा, सह सचिव दिलीप हाम्बड़, कोषाध्यक्ष टुआराम गहलोत, सहकोषाध्यक्ष अमराराम देवड़ा, पूर्व सचिव अमरचंद परिहारिया पूर्व सह सचिव नारायणलाल चोयल, बीजाराम परिहारिया, भवरलाल चोयल, जुगराज परिहार, हीरालाल चोयल आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में कार्यकारीणी सदस्यों, नवयुवक, मंडल एवं महिला मंडल का विशेष सहयोग रहा।

एक दिवसीय हिन्दी कौशल विकास कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के द्वारका दास गोवर्धन दास वैष्णव कालेज हिंदी विभाग, शिफ्ट-2 द्वारा आयोजित एक दिवसीय हिन्दी कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत सूचना प्रौद्योगिकी और भाषा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हिन्दी भाषा में कौशल और रोजगार कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में पांडिचेरी विश्वविद्यालय के हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. सी. जयशंकर बाबू थे।

कार्यक्रम की शुरुआत ईश्वर वंदना एवं दीप प्रज्वलन से हुई । हिंदी विभाग शिफ्ट-2 के अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार द्विवेदी ने सभी का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि हिंदी विभाग का यह कार्यक्रम हमारे विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी है और हमें उम्मीद है कि इससे उन्हें अपने कौशल को विकसित करने में मदद मिलेगी।

प्रथम सत्र में मुख्य अतिथि का परिचय आयुष जैन रहे।

प्राचार्य कैप्टन डॉ. एस संतोष बाबू ने कहा कि हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.मनोज कुमार द्विवेदी जी के इस पहल और विभाग के प्रति उनके समर्पण एवं इस दायित्व को कुशलतापूर्वक निभाने के प्रयासों की सराहना की।

मुख्य वक्ता डॉ. सी जयशंकर बाबू ने दोनों सत्रों में पी.पी टी. के माध्यम से छात्रों को संबोधित किया, उनका संबोधन छात्र एवं छात्राओं के लिए अत्यंत प्रेरणादायी रहा। उन्होंने परम्परागत ज्ञान को आधुनिक तकनीक से जोड़ते हुए छात्रों को भाषा क्षेत्र में अनुसंधान, नवाचार तथा उद्यमिता की दिशा में अग्रसर होने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुनील पाटिल ने किया। विवेक पंजाबी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

तिरुपुर में भादी अमावस्या पर मंगलपाठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपुर। यहां दादी परिवार द्वारा हर वर्ष कि भांति इस वर्ष भी राणी सती दादी का 14 वां वार्षिक मंगल पाठ गणेश मन्दिर रायपुरम में किया। दादी को 51, चुनरी उढाई गयी। दादी का भव्य दरबार प्रिया एवं सरिता ने सजाया। दादी कि ज्योत लगाई गई मंगल पाठ में काफी संख्याओं मे महिलाओं ने दादी के जन्मोत्सव मे भाग लिया छप्पन भोग एवं हाथ का प्रसाद दिया गया। दादी के इस मंगल पाठ का महाप्रसाद चक्रपाणि पुनम जोशी की से किया गया।

दादी को मीठे-मीठे सुनाकर रिझाया। दादी परिवार कि अध्यक्ष शिलाशाह एवं दादी परिवार कि पदाधिकारी सरोज पत्ती, सुमन गुप्ता, प्रभा तोदी, सरीता तुलसीयान, मनीषा अग्रवाल, चंदा डिडवानिया, मंजु जैन, मधु चौधरी की और से सभी भक्तों को महाप्रसाद वितरण किया गया।

गणेश चतुर्थी उत्सव विद्यालय प्रांगण में धूमधाम से मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री ए जी जैन हायर सेकेंडरी स्कूल परिसर में ज्ञान और संस्कृति की पावन गंगा में गणेश चतुर्थी का पर्व अत्यंत श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विद्यालय प्रांगण श्री गणेश जी की मनमोहक प्रतिमा और रंग-बिरंगी सजावट से आलोकित हो उठा। मंगल ध्वनियों और भजनों की गूंज ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

प्राचार्या डॉ जयश्री ने दीप प्रज्ज्वलन किया एवं गणेश वंदना के साथ कार्यक्रम शुरु हुआ। विशेष आकर्षण विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत मूर्ति स्थापना रही, जिसमे मंत्रोच्चार एवं भक्तिमय संगीत ने सभी का मन मोह लिया। विद्यालय के पत्राचारक हनुमानचंद बोथरा, सचिव दलजीतसिंह ढढा, प्रबंध समिति के सदस्य गौतमचंद बोहरा एवं प्रसन्नचंद चोरड़िया, विद्यालय के शिक्षक गण एवं छात्र उपस्थित रहे।

अन्नदानम्

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तिरुनेलवेली में भारतीय जैन संगठन तिरुनेलवेली चेप्टर महिला विंग की महिला कार्यकर्त्ताओ द्वारा के पर्युषण महापर्व के पांचवे दिन श्री महावीर स्वामी जन्म वांचन के दिन अन्न दानम का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। अध्यक्ष पिंकी जैन उपाध्यक्ष कविता जैन, मंत्री दमयंती जैन और कोषाध्यक्ष सीमा जैन एवं अन्य महिला कार्यकर्त्ताओ द्वारा बेसहारा एवं गरीबों को जैन खाने का वितरण किया।

नारी शिक्षा के क्षेत्र में जैनों का ऐतिहासिक योगदान : डॉ. दिलीप धींग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु हिंदी अकादमी के उपाध्यक्ष साहित्यकार डॉ. दिलीप धींग ने कहा कि नवकार महामंत्र भेद में अभेद की प्रतिष्ठा करता है। इसकी आराधना से दृष्टि व्यापक बनती है। श्री जैन संघ, अरुम्बाक्कम द्वारा एमएमडीए कॉलोनी स्थित रुक्मणी स्कूल में पर्युषण व्याख्यानमाला के सातवें दिन मंगलवार को अपने चर्चित अखंड 'णमोकार गीत' का संगान करते हुए डॉ. धींग ने कहा कि नवकार भयावह वीरानी में सुरम्य गाँव और चिलचिलाती धूप में सुहानी छाँव जैसा है। जिसकी नवकार से प्रीत होती है, उसकी हार में भी जीत होती है। तमिल भाषा के प्रथम महाकाव्य सिलप्पदिकारम की नायिका कण्णगी अपने कष्ट के दिनों में नवकार की आराधना करती हुई अविचल बनी रही और इतिहास रच दिया। शिलालेखीय प्रमाणों से डॉ. धींग ने कहा कि तमिल प्रदेश में महिला शिक्षा के क्षेत्र में जैनों का ऐतिहासिक योगदान है।

स्वाध्यायी संघ के प्रवर्तक पन्नालालजी महाराज की जयंती पर डॉ. धींग ने कहा कि वे एकता के पक्षधर, सद्भाव के प्रसारक और समाज सुधारक थे। आपसी फूट को उन्होंने अहितकारी माना और कई स्थानों पर झगड़े मिटाए। माला-प्रसन्न भंसाली ने बालमुनि अतिमुक्त की कथा सुनाई। युवा स्वाध्यायी प्रणत धींग ने 'जियो और जीने दो, यह महावीर का नारा है' कविता सुनाकर शाबाशी पाई। मंत्री जंबूकुमार पदावत ने संवत्सरी पर जीवदया, सेवा और साधना हेतु समर्पण का आह्वान किया। अध्यक्ष जसवंतराज कावड़िया ने धन्यवाद दिया।

जो दे कर के आनंदित होते हैं, वे सदा सफल होते हैं : डॉ. समकित मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पुरुषवाक्कम स्थित एएमकेएम जैन मेमोरियल ट्रस्ट में चल रहे पर्यूषण महापर्व के सातवें दिन मंगलवार को प्रवचन देते हुए जयवंत मुनिजी म.सा. ने कहा कि जीवन जीने के लिए जितनी हरियाली आवश्यक है उतनी ही खुशहाली भी ज़रूरी है। जहाँ हरियाली नहीं, वहाँ खुशहाली भी नहीं। वास्तव में वही सच्चा राजा और सच्चा धनवान है जो खुशहाली से जीना जानता है। जीवन में समस्याओं का आना तो पार्ट ऑफ लाइफ है, पर उन्हें मुस्कुराते हुए समाप्त करना ही आर्ट ऑफ लाइफ है। मुनिश्री ने कहा कि तीन कारण ऐसे हैं जिनसे जीवन खुशहाल बन सकता है - पहला, किसी को परेशान न करना और न ही किसी की आत्मा को दुःख पहुँचाना। यह पर्व क्षमा का पर्व है, इसलिए एक-दूसरे से क्षमा माँगना और क्षमा करना ही असली कर्म-निर्जरा है। दूसरा, अप्रिय प्रसंगों और कटु वचनों को भूल जाना। तीसरा, हमेशा आधे भरे गिलास की तरह सोचना - यानी जो हमारे पास है, उसमें संतुष्ट रहना। प्रवचन को आगे बढ़ाते हुए डॉ. समकित मुनिजी म.सा ने कहा कि पर्युषण का पर्व ही इस जीवन का सबसे बड़ा अचीवमेंट है। उन्होंने संत दिखें या न दिखें, चातुर्मास हो या न हो, पर हर घर में नियम होना चाहिए कि परिवार के लोग समय-समय पर सामायिक और धर्मकर्म करें। अक्सर लोग कहते हैं कि अच्छे काम के लिए अनुमति माँगनी पड़ती है, लेकिन बुरे काम बिना अनुमति के ही हो जाते हैं। उन्होंने प्रश्न किया 'हम इनमें से कौन हैं? जो दे कर आनंदित होते हैं या जो दबाकर रखते हैं? और समझाया कि जो दे कर आनंदित होते हैं, उनका जीवन सदा के लिए सफल हो जाता है।' उन्होंने कहा कि बड़ों का जन्म ही देने के लिए होता है। प्रारंभ में जैसे पापड़ को आकार दिया जा सकता है, वैसे ही हमें भी अपने जीवन को सही दिशा में ढालना चाहिए। मंच संचालन मंत्री विनयचंद पावेचा ने किया।

पच्चखाण को सच्ची निष्ठा और समर्पण भाव से करना चाहिए : वीरेंद्रमुनि

चेन्नई/दक्षिण भारत राष्ट्रमत। श्री एस एस जैन संघ स्थानक बजार रोड सैदापेट में विराजित गुरुदेव श्री वीरेन्द्र मुनिजी म. सा. ने सूत्र वाचन करते हुए कहा की एक श्रावक को अपने धर्म के प्रति सच्ची निष्ठा होनी चाहिए समर्पण भाव से व्रत पच्चखाण को जीवन में अपनाना चाहिए। उदाहरण देते हुए सेठ सुदर्शन व अर्जुनमाली की कहानी सुनाते कहा कि अर्जुनमाली एक माली था एक यक्ष ने उसके शरीर में प्रवेश करके उसे लोगों की हत्या करने के लिए उकसाता था और अर्जुनमाली ने 6 पुरुषों की एवं एक स्त्री की हत्या कर दी थी। तब से गांव के उस पार जाने की पाबंदी लगाई गई। एक दिन राजगृही मार्ग पर भगवान महावीर स्वामी पधारे थे और यह समाचार जब सुदर्शन सेठ को मिला तब वह अपनी माता से आज्ञा लेकर भगवान के उद्यान में जाने लगे। तब दरबारी के मना करने पर भी सेठ सुदर्शन वहां से उस अर्जुनमाली के बगीचे की ओर से निकले। तभी सामने से अर्जुनमाली को देखकर सुदर्शन सेठ को भी लगा अब बचना मुश्किल है तो सेठ सुदर्शन सागारी संतारा के पच्छखान लेते हुए की अगर मर गया तो आहार पानी का त्याग और बच गया तो आगार ऐसा कहकर भगवान महावीर स्वामी को याद करके ध्यानमग्न होकर वहीं पर बैठ गए और सामने से अर्जुनमाली मुदग़ल से प्रहार करता है परंतु मार नहीं पाता है।

आदिनाथ भगवान : सभ्यता के प्रवर्तक, मोक्षमार्ग के प्रथम प्रदर्शक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां किलपॉक श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ के प्रांगण में पर्युषण पर्व के सातवें दिन आचार्यश्री हीरचंद्रसूरिश्वरजी महाराज ने अपने प्रवचन में जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ भगवान के जीवन चरित्र और दिव्य संदेश का मनोहर वर्णन प्रस्तुत किया।

उन्होंने कहा कि आदिनाथ भगवान, जिन्हें ऋषभदेव भी कहा जाता है, मानव सभ्यता के प्रवर्तक थे। उन्होंने मानव समाज को कृषि, पशुपालन, पाक विद्या, अक्षर और अंक ज्ञान प्रदान किया।

उन्होंने बताया कि राजा नाभिराय और रानी मरूदेवी के आंगन में जन्म लेकर बचपन से ही तेजस्वी, शांत और धर्मनिष्ठ रहे। राजपाट अपने पुत्रों भरत और बाहुबली को सौंपकर भगवान ने सिद्धार्थक वन में दीक्षा ग्रहण की। छह माह तक कठोर तपस्या के उपरांत अक्षय तृतीया के दिन उन्हें राजा श्रेयांस से आहार मिला। आखिरकार माघ कृष्ण चतुर्दशी को कैलाश पर्वत पर मोक्ष प्राप्त कर वे संसार बंधन से मुक्त हुए। उनका प्रतीक चिन्ह 'बैल' है और अर्थ है 'आदि के स्वामी', क्योंकि उन्होंने ही मानव सभ्यता को दिशा दी। आचार्यश्री ने कहा कि भोग से तृप्ति नहीं, त्याग से शांति मिलती है। बाहरी वैभव नश्वर है, आत्मा शाश्वत है। संयम और साधना ही मोक्ष की राह है।

उन्होंने प्रेरणा देते हुए कहा कि सांसारिक कर्तव्यों के बीच भी धर्म, संयम और आत्मबल की राह अपनाई जा सकती है। विवेक शून्यता का धर्म स्वीकार्य नहीं है। प्रवचन के दौरान कई श्रद्धालुओं ने अठाई तप के पचक्खाण ग्रहण किया।

उनका संघ की ओर से भावपूर्ण बहुमान किया गया।

चेन्नई रिची स्ट्रीट : पर्युषण पर्व में चौविहार व्यवस्था

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां स्थित रिची स्ट्रीट इलेक्ट्रॉनिक एंड इन्फोटेक ट्रेडर्स एसोसिएशन (सीएटा) के तत्वावधान में पर्युषण पर्व के अवसर पर रात्रि भोजन का त्याग कर चौविहार व्यवस्था का आयोजन किया गया। पर्युषण आरंभ से लेकर सावंत्सरिक पर्व तक प्रतिदिन सूर्यास्त पूर्व निःशुल्क भोजन व्यवस्था की गई, जिसमें रिची स्ट्रीट मार्केट एवं आसपास के सैकड़ों जैन धर्मावलंबियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। चौविहार हाऊस में प्रतिदिन गरम पानी की सुविधा और चिंतादरीपेट में प्रतिक्रमण की व्यवस्था श्रावक-श्राविकाओं के लिए आराधना के साधन बने। सीएटा के महासचिव राजू चण्डालिया ने बताया कि व्यापारियों को चौविहार पालने में सुविधा हेतु यह व्यवस्था 13 वर्ष पूर्व एच. चण्डालिया द्वारा प्रारंभ की गई थी। इस वर्ष युवाओं ने चौविहार पालन में बढ-चढ़कर हिस्सा लिया। अध्यक्ष कमलचंद कुम्भट, उपाध्यक्ष सुरेश सोमावत और कोषाध्यक्ष सुनिल पीपाड़ा ने बताया कि यह आयोजन विशेष रूप से पर्युषण पर्व के आठ दिनों तक चौविहार पालन करने वाले श्रद्धालुओं के लिए किया गया। धर्म, त्याग और आराधना का यह संगम सीएटा के माध्यम से जैन समाज को हर वर्ष नवप्रेरणा प्रदान कर रहा है।

'एक शाम श्री माताराणी भटियाणी सा के नाम' भक्ति संध्या 30 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां एक शाम श्री माताराणीं भटियाणी सा के नाम विशाल भक्ति संध्या का 16वीं बार 30 अगस्त को आयोजन होने जा रहा हैं। कार्यक्रम में शोभायात्रा शाम 4:30 सुन्दर मुदळी स्ट्रीट तीसरी लेन से अम्मन कोइल स्ट्रीट से होते हुए श्रीकनिका परमेश्वरी कॉलेज जाएगी। शाम 7.30 बजे से भक्ति जागरण कार्यक्रम होगा।सम्पूर्ण कार्यक्रम उमिया बाईसा एवं श्रीमाजीसा धाम के संचालक पुखराज दवे (पंडित आचार्य लक्ष्मी नारायण दवे) के पावन सानिनध्य में होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व डीजीपी सांगाराम जांगिड़ होंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में पार्षद राजेश 'रंगीला' एवं अति विशिष्ट अतिथि शांतिलाल राजपुरोहित होंगे। कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए शक्तिसिंह सोढ़ा ने बताया कि प्रसिद्ध कलाकार छोटुसिंह रावणां एण्ड पार्टी, वहीं भजन गायिका खुशबू माळी अपनी प्रस्तुति देंगे मंच संचालन डार्विन शर्मा करेंगे।

धर्म और महापुरुषों पर कीचड़ न उछालें : राष्ट्रसंत 'कमलेश'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के साहुकारपेट जैन भवन में राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश ने मंगलवार को प्रवचन में कहा कि जो व्यक्ति अच्छी बुरी बातों को देख कर बुरी को अपने में पचा लेता है ,और जहर के बदले अमृत प्रदान करता है वही महापुरुष बनता है। प्रवर्तक पन्नालालजी की जयंती पर संबोधित करते उन्होंने कहा कि किसी की कमजोरी, और कमी को देखकर, ब्लैकमेल करना, नाजायज फायदा, उठाना उसको प्रकट करने की धमकी देना, सरासर हिंसा और अपराध है। उन्होंने कहा कि किसी के मर्म को प्रकाशित करने के बजाय, उसे एकांत में बिठाकर प्यार से समझाने का प्रयास करेंगे तो परिवर्तन की संभावना उसमें विकसित हो जाएगी रिश्तों में मिठास बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि अपना बेटा गलती करता है तो उसकी चर्चा चौराहे पर नहीं करते, बल्कि घर में बैठकर समझते हैं, क्योंकि उसमें आपकी बदनामी छिपी हुई है। इसी प्रकार धर्म समाज की गलती अथवा कमी की चर्चा चौराहे पर करना महापुरुषों कौ भी चौराहे पर नंगे करने के समान है। उनकीपीठ में छुरा भोंकने के समान है। मुनि कमलेश ने बताया कि जो धर्म और गुरुओं की कमियों की, की चर्चा जनता के बीच करता है वह महापुरुषों के ऊपर कीचड़ उछलना का पाप कमा रहा है। अनंत आत्मा में रही हुई आस्था को नष्ट करने का पाप कमा रहा है। जिस थाली में खा रहा है उसी में छेद कर रहा है। जब कोई व्यक्ति अस्थिर हो जाता है उसको वापस स्थिर करने के लिए जो प्रयास करता है, बाहर में प्रशंसा करता है अंदर में सुधार का काम करता है वह साक्षात परमात्मा के समान माना जाता है। उन्होंने कहा कि जो कभी भूल न करें वह तो परमात्मा के समान है। मानव मात्र भूलों का पात्र है। जो भूल को सुधार लेता है वह महान आत्मा की श्रेणी में आ जाता है। सवेरे का भूला शाम को घर आ जाए उसको भूला नहीं कहा जा सकता।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.